भाद्रपद कृष्ण - 9 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 25 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 17-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा के खिलाफ हिंदू-मुस्लिम गठबंधन बनाने पर विचार : प्रशांत किशोर

6 भारत मां के लिए जान भी कुर्बान, दिलवर खान ने दिया कश्मीर में बलिदान

7 फिल्म 'कुली' ने रिलीज के पहले दिन ही की 150 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई

फर्स्ट टेक

देशवासियों को मुर्मु, मोदी ने दी जन्माष्टमी की शुभकामनाएं

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। देशभर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी शनिवार को धूमधाम के साथ मनायी जा रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सम्पूर्ण मानवता को धर्म के अनुसार कर्तव्य मार्ग पर चलते हुए सभी प्राणियों के हित में लगे रहने का संदेश दिया है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि जन्माष्टमी के अवसर पर हम सब यह संकल्प लें कि श्रीकृष्ण के दिखाए मार्ग का अनुसरण करेंगे और समाज व राष्ट्र को मजबूत बनाएंगे। प्रधानमंत्री ने भी 'एक्स' पर पोस्ट किया, सभी देशवासियों को जन्माष्टमी की असीम शुभकामनाएं। आस्था, आनंद और उमंग का यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा और नए उत्साह का संचार करे। जय श्री कृष्ण! उन्होंने जन्माष्टमी को आस्था, आनंद और उत्साह का पर्व बताया।

चीन ने पाकिस्तान को तीसरी हंगोर श्रेणी की पनडुब्बी सौंपी

बीजिंग/भाषा। चीन ने पाकिस्तान को सौंपी जाने वाले आठ नई 'उन्नत' हंगोर-श्रेणी की पनडुब्बियों में से तीसरी पनडुब्बी उसे सौंप दी है। बीजिंग का यह कदम इस्लामाबाद की नौसैनिक ताकत को उन्नत करके भारत के निकटवर्ती क्षेत्र हिंद महासागर में पाकिस्तान की बढ़ती उपस्थिति को समर्थन देने के चीन के प्रयासों का हिस्सा है। चीन के सरकारी समाचार पत्र 'ग्लोबल टाइम्स' ने शनिवार को बताया कि हंगोर-श्रेणी की तीसरी पनडुब्बी का जलावतरण समारोह बृहस्पतिवार को मध्य चीन के हुबेई प्रांत के वुहान में आयोजित किया गया। चीन द्वारा पाकिस्तान के लिए बनाई जा रही आठ पनडुब्बियों में से दूसरी पनडुब्बी इस साल मार्च में सौंपी गई थी।

म्यांमार में सेना का हवाई हमला, कम से कम 21 लोगों की मौत

बैंकाक/एपी। म्यांमार की सेना ने देश के रत्न खनन केंद्र मोगोक पर हवाई हमला किया जिसमें एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी शनिवार को एक विपक्षी संगठन और स्थानीय निवासियों ने दी। ता'आंग नेशनल लिबरेशन आर्मी (टीएनएलए) के प्रवक्ता लवे याय ऊ ने बताया कि मोगोक के श्वेगु वार्ड में बृहस्पतिवार रात करीब साढ़े आठ बजे यह हमला हुआ। उन्होंने कहा, करीब 21 नागरिक मारे गए और सात लोग घायल हुए।

17-08-2025 सूर्यास्त 6:39 बजे | 18-08-2025 सूर्योदय 6:07 बजे

BSE	NSE
80,597.66 (+57.75)	24,631.30 (+11.95)

सोना	चांदी
10,637 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	118,456 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

श्रेष्ठ मानव

काटेंगे सारे ही जंगल,
कर देंगे धरती वीरानी।
मीठे जो हो जाएं सागर,
पी जाएं सारा ही पानी,
खाएं मारें सब जीवों को,
हैं श्रेष्ठ जीव ज्ञानी दानी।
जल थल नभ को करदें मैला,
हम कुशल सबल नर विज्ञानी।।

बेंगलूरु में प्लास्टिक सामान निर्माण इकाई में आग लगी

एक परिवार के चार लोगों समेत पांच की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के के.आर. मार्केट के पास नागरथपेट क्षेत्र में प्लास्टिक का सामान बनाने की एक इकाई में आग लगने से एक ही परिवार के चार लोगों और एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने मृतकों की पहचान मदन सिंह (38), संगीता (33) और उनके दो बच्चों रितेश (7) और विहान (5) तथा पड़ोसी सुरेश कुमार (26) के रूप में की है।

पुलिस के अनुसार, मदन सिंह राजस्थान के मूल निवासी थे और लगभग 10 सालों से इस इमारत को किराए पर ले रखा था। वह एक छोटी फैक्टरी चलाते थे जहां प्लास्टिक के सामान के साथ-साथ चटाई भी बनायी जाती थी। वह इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर रहते थे। पुलिस ने कहा कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका है।

अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें सुबह करीब तीन बजकर 14 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। एक अधिकारी ने बताया कि आग बुझाने के लिए आठ वाहन लगाए गए हैं और 55 दमकलकर्मी तथा 21 अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

उन्होंने कहा, ''यह एक तरह का गोदाम है जहां काफी सामान रखा हुआ है। इस वजह से आग पर काबू पाना मुश्किल हो रहा है।''

अधिकारियों ने बताया कि यह इमारत शहर के घनी आबादी वाले कारोबारी इलाके में स्थित है।

भारत के निर्माण में सभी को प्रेरित करते रहेंगे वाजपेयी : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सातवीं पुण्यतिथि पर शनिवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि वह विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए सभी को प्रेरित करते रहेंगे।

मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, सभी देशवासियों की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी को उनकी पुण्यतिथि पर सादर नमन। राष्ट्र के चौतरफा विकास को लेकर उनका समर्पण और सेवा भाव विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान के लिए हर किसी को प्रेरित करने वाला है।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय मंत्री और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित कई अन्य गणमान्य लोग वाजपेयी को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां उनके स्मारक 'सदैव अटल' पहुंचे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वाजपेयी का जीवन राष्ट्र की अटूट सेवा के लिए समर्पित था। उन्होंने कहा कि उनके विचार और आदर्श भारत की प्रगति की यात्रा का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

वाजपेयी भारतीय जनता पार्टी के संस्थापकों में एक थे। वह तीन बार देश के प्रधानमंत्री बने। उनका पहला कार्यकाल 1996 में मात्र 13 दिनों का था।

भारत का विभाजन हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग की 'जुगलबंदी' के कारण हुआ : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारत का विभाजन हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग की 'जुगलबंदी' के कारण हुआ। साथ ही उसने सत्तारूढ़ भाजपा पर देश के इतिहास को विकृत करने का प्रयास करते हुए संस्थानों में हस्तक्षेप करने का भी आरोप लगाया।

कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को देश के इतिहास का ''सबसे बड़ा खलनायक'' करार दिया और कहा कि आने वाली पीढ़ियां उसे माफ नहीं करेंगी।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के मौके पर जारी एक विशेष पाठ में भारत के बंटवारे के लिए मोहम्मद अली जिन्ना, कांग्रेस और तत्कालीन वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन को जिम्मेदार ठहराया गया है।

कांग्रेस प्रवक्ता और पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि पुस्तक में हिंदू महासभा द्वारा मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन सरकार बनाने और विभाजन से पहले दोनों द्वारा यह प्रचार करने के बारे में कुछ भी उल्लेख नहीं किया गया है कि ''हिंदू और मुसलमान एक देश में एक साथ नहीं रह सकते।''

एनसीईआरटी की किताब के बारे में पूछे जाने पर खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ''विभाजन हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग की जुगलबंदी के कारण हुआ। अगर इतिहास में कोई सबसे बड़ा खलनायक है तो वह आरएसएस है। आने वाली पीढ़ियां उनके कृत्यों को माफ नहीं करेंगी।''

मुंबई हवाई अड्डे पर उतरते समय इंडिगो के विमान का पिछला हिस्सा जमीन से टकराया, जांच के आदेश

मुंबई/भाषा। यहां हवाई अड्डे पर शनिवार को उतरते समय बैंकॉक से मुंबई आए इंडिगो के यात्री विमान का पिछला हिस्सा जमीन से टकरा गया जिसके चलते विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 'एयरबस ए 321 नियो' के दोनों पायलट को जांच पूरी होने तक विमान से हटा दिया गया है।

इंडिगो के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ''मुंबई में 16 अगस्त को प्रतिकूल मौसम के कारण कम ऊंचाई पर उड़ान भरते समय इंडिगो के एयरबस ए 321 विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया।''

ईडी ने तमिलनाडु के मंत्री आई. पेरियासामी और उनके परिवार से जुड़े परिसरों पर छापे मारे

चेन्नई/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन के एक मामले की जांच के सिलसिले में शनिवार को तमिलनाडु के मंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता आई. पेरियासामी और उनके परिवार से जुड़े परिसरों पर छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार उनके पुत्र आई.पी. सेंथिल कुमार के परिसरों की भी तलाशी ली जा रही है। आई.पी. सेंथिल कुमार विधायक हैं। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है। पेरियासामी ग्रामीण विकास एव पंचायत मंत्री हैं। पेरियासामी डिंडीगुल जिले के अटूर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। ईडी की इस कार्रवाई पर पेरियासामी या द्रमुक की ओर से फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की गई है। धन शोधन मामले की यह जांच मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा अप्रैल में दिए गए एक आदेश के बाद शुरू हुई। उच्च न्यायालय ने डिंडीगुल की एक विशेष अदालत को निर्देश दिया था कि वह पेरियासामी और उनके परिवार के खिलाफ 2.1 करोड़ की संपत्ति मामले में आरोप तय करे।

ईडी के छापे पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा

हमें डराने-धमकाने की कोशिश सफल नहीं होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सलेम/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को अपने मंत्रिमंडल सहयोगी आई पेरियासामी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी की ऐसी कार्रवाई उन विपक्षी दलों के खिलाफ की जाती है, जो भाजपा के सामने घुटने नहीं टेकते हैं।

स्टालिन ने यहां भाकपा के 26वें प्रदेश सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह की धमकी की रणनीति उनकी पार्टी के खिलाफ काम नहीं करेगी, जिसने अतीत में कई कठिनाइयों और चुनौतियों से सफलतापूर्वक पार पाया है। अपने संबोधन में स्टालिन ने कहा कि भाजपा उन सभी चीजों को लागू कर रही है, जिनके बारे में 'हमने चेतावनी दी थी' कि अगर वह (भाजपा) केंद्र में सरकार बनाती है, तो ऐसा करेगी।

द्रमुख प्रमुख ने कहा कि इसमें 'हिंदी को अनिवार्य बनाना' और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को बढ़ावा देना शामिल है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में आरएसएस की प्रशंसा की।'' उन्होंने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय की प्रचार सामग्री पर उठे विवाद का जिक्र करते हुए कहा कि सरकारी विज्ञापनों में महात्मा गांधी की तुलना में वीडी सावरकर की तस्वीर प्रमुखता से दिखाई गई है।

स्टालिन ने कहा, ''हमने कहा था कि जो विपक्षी दल उनकी बात नहीं मानेंगे, उनके खिलाफ ईडी का दुरुपयोग करके उन्हें डराया जाएगा। आज भी उन्होंने मंत्री पेरियासामी के घर पर छापेमारी की है, लेकिन द्रमुक ऐसी चालों से नहीं डरेगी।''

कोरिया के साथ संबंधों को नया आयाम देने का पक्षधर है भारत : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

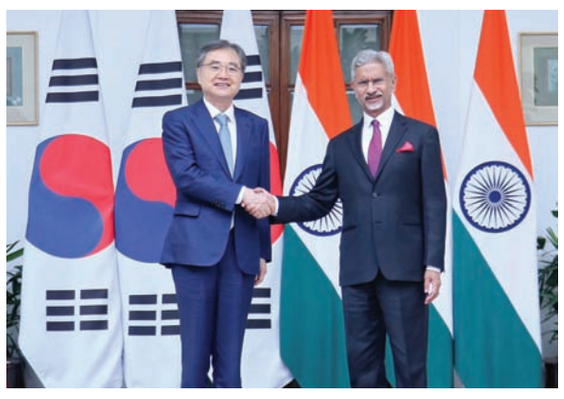

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा है कि दक्षिण कोरिया के साथ रणनीतिक साझेदारी की 10वीं वर्षगांठ पर भारत दोनों देशों के बीच संबंधों को प्रगाढ बनाने तथा इन्हें नई ऊंचाई पर ले जाने का इच्छुक है।

डॉ.जयशंकर ने भारत यात्रा पर आये दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून के साथ बैठक से पहले शनिवार को यहां अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी के दसवें वर्ष में भारत परस्पर संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने का पक्षधर है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि दोनों के बीच यह बैठक सार्थक रहेगी।

विदेश मंत्री चो का स्वागत और उन्हें कोरिया का विदेश मंत्री चुने जाने पर बधाई देते हुए डॉ.जयशंकर ने कहा कि अपने पुराने मित्र का नए सहयोगी के रूप में स्वागत करते हुए उन्हें प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि कोरिया के राष्ट्रीय दिवस और भारत के स्वतंत्रता दिवस के ठीक एक दिन बाद उनका भारत यात्रा पर आना दोनों देशों के बीच रिश्तों के महत्व को दर्शाता है।

डॉ. जयशंकर ने कोरिया के राष्ट्रीय मुक्ति दिवस की शुभकामनाएं देते हुए का कहा , यह यात्रा कई मायनों में बहुत ही महत्वपूर्ण समय पर हो रही है - यह हमारी विशेष रणनीतिक साझेदारी की 10वीं वर्षगांठ है, और मुझे कनाडा के कनानसकिस में आपके राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री के साथ रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वैसे यह एक बहुत ही अच्छी मुलाकात थी और मैं आपको बताना चाहूँगा कि उनके बीच बहुत गहरा रिश्ता था।

उन्होंने कहा कि भारत चाहता है कि आज की बैठक में दोनों देश इस बात पर चर्चा करें कि हम अपने संबंधों को और ऊँचे स्तर पर कैसे ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा, हमें बहुत सी बातों पर चर्चा करनी है - रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, अर्थशास्त्र, संपर्क, लोगों के बीच संबंध पर। उन्होंने उम्मीद जतायी कि यह बैठक सार्थक रहेगी।

पुतिन के साथ बैठक बहुत उपयोगी लेकिन कोई समझौता नहीं : ट्रम्प

अलास्का शिखर सम्मेलन यूक्रेन संकट पर किसी समझौते के बिना समाप्त हो गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एंकोरेज (अमेरिका)/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि अलास्का के एंकोरेज में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बहुत ही उपयोगी बैठक हुई लेकिन शिखर सम्मेलन यूक्रेन संकट पर किसी समझौते के बिना समाप्त हो गया।

दोनों राष्ट्रपतियों ने अमेरिकी राज्य अलास्का के सबसे अधिक आबादी वाले शहर एंकोरेज में संयुक्त बेस एल्मेंडोर्फ-रिचर्डसन में अपनी वार्ता समाप्त करने के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन किया। ट्रम्प ने कहा कि वे कई बिंदुओं पर सहमत हुए हैं तथा उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने कुछ प्रगति की है हालांकि कोई समझौता नहीं हो पाया है।

पुतिन ने कहा कि वह इस बात से सहमत हैं कि यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए तथा श्री ट्रम्प के साथ उनका समझौता यूक्रेन में शांति का मार्ग प्रशस्त करेगा।

मंच पर लगभग 10 मिनट तक एक-दूसरे के साथ खड़े होकर दोनों नेताओं ने संकेत दिया कि आमने-सामने की बातचीत में प्रगति हुई है लेकिन कोई ठोस समझौता नहीं हुआ है।

पुतिन ने कहा कि वार्ता आपसी सम्मान के रचनात्मक माहौल में हुई और राष्ट्राध्यक्षों के बीच व्यक्तिगत बैठक लंबे समय से अपेक्षित थी। पुतिन ने कहा कि जो कुछ भी हो रहा है वह हमारे लिए एक त्रासदी और एक भयानक घाव है और रूस इसे समाप्त करने में ईमानदारी से दिलचस्पी रखता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि संघर्ष के प्राथमिक कारणों को को समाप्त करने की कोशिश की जानी चाहिए तथा यूक्रेन एवं यूरोपीय देशों को चेतावनी दी कि वे कार्यों में बाधा न डालें। पुतिन ने आशा व्यक्त किया कि यह बैठक न केवल यूक्रेनी मुद्दे के समाधान के लिए एक शुरुआत होगी बल्कि रूस और अमेरिका के बीच व्यावसायिक और व्यावहारिक संबंधों की पुनः प्राप्ति में भी सहायक होगी। उन्होंने कहा कि निवेश और व्यापार में रूस-अमेरिका सहयोग की अपार संभावनाएं हैं क्योंकि दोनों देश व्यापार, डिजिटल, उच्च तकनीक और अंतरिक्ष अन्वेषण में एक-दूसरे को बहुत कुछ दे सकते हैं।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने वार्ता को अत्यंत उत्पादक बताया और कहा कि बड़ी प्रगति हुई है। ट्रम्प ने कहा कि कई बिंदुओं पर सहमति बनी है और वहां पहुंचने की बहुत अच्छी संभावना है। ट्रंप ने कहा कि वह जल्द ही यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं से बात करेंगे। इससे पहले शुक्रवार को युक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि ट्रंप-पुतिन की मुलाकात त्रिपक्षीय वार्ता का मार्ग प्रशस्त करेगी।

सहज स्मृति योग

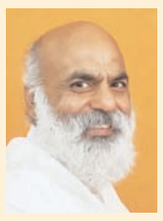

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, गुरु की भूमिका क्या है ?

उत्तर: गुरु संस्कृत भाषा का शब्द है पाणिनि की दृष्टि से देखें तो यह संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण क्रिया–विशेषण आदि भेदों व लक्षणों को भरे पर उन सबसे परे सम्बन्ध बोधक अव्यय है। इस सम्बन्ध की भूमिका हर युग या काल में यही बनी रहती है कि तत्कालीन वर्तमान में परमार्थ को कैसे जीवन व्यवहार बनाए रखा जाए, लोक और परलोक को एक साथ कैसे साधे रखा जाए। परंपरा से भारतीय संस्कृति में ही गुरु–शिष्य सम्बन्ध को यथार्थ अव्यय स्वरूप में जिया जाता रहा है और आज भी जिया जा रहा है और जब तक मानव सनातन (धर्म) चैतन्य धारण करने से च्युत नहीं होगा तब तक इस सम्बन्ध को जिया जाता रहेगा। कभी इसमें क्षीणता आ जाती है तो कभी यह उमंग पाकर प्रबल हो जाता है। कभी यह मनुष्यों में कुछ काल के लिए लुप्त भी हो जाता देखा गया है।किंतु, पुनः पुनः प्रकट भी होता आया है। इसका पहला चरण सम्बन्ध की मर्यादा में रहना है और दूसरा चरण आत्मानुशासन में रहना ।जीवन में इसी आचरण से इसकी अनुभूति भूमिका के रूप में क्षण क्षण प्रकट होती जाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन

बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन द्वारा एसपी रोड पर स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष विशाल वरन्दानी, मंत्री अरुण लुणावत, उपाध्यक्ष ललित डाकलिया, मदनलाल धोका, किशोर राजपुरोहित, उदेश राजपुरोहित, सहमंत्री विशाल बोहरा, दिनेश चारण आदि पदाधिकारियों ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के पश्चात रंगारंग सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया तत्पश्चात लड्डू वितरित किए गए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मल्लेश्वरम स्थानक

बेंगलूरु के मल्लेश्वरम स्थानक में मल्लेश्वरम संघ एवं श्रीरामपुरम संघ द्वारा संयुक्त रूप से 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया, जिसमें दोनों संघों के पदाधिकारियों द्वारा ध्वजारोहण किया गया और संघ के सदस्यों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी गई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

माहेश्वरी छात्रावास

माहेश्वरी फाउंडेशन द्वारा संचालित माहेश्वरी बॉयज हॉस्टल में 79 स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नवल किशोर मालू, युवा संघ के अध्यक्ष दीपक मंत्री, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन प्रहलाद आगीवाल, छात्र सचिव कीर्तन तोषनीवाल ने तिरंगा फहराया। चेयरमैन प्रहलाद आगीवाल ने विद्यार्थियों को सार्वजनिक स्थलों की सफाई की सलाह दी। गौरीशंकर सारड़ा ने छात्रों को अनुशासन और संयम बरतने को कहा। छात्रवास सचिव कीर्तन तोषनीवाल ने अपने विचार व्यक्त किए।प्रबंध ट्रस्टी ललित मालानी ने सभी को धन्यवाद दिया।

तेयुप यशवंतपुर ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद, यशवंतपुर के सदस्यों ने सरकारी प्राथमिक पाठशाला, सब्ज़ी मंडी, यशवंतपुर में आयोजित ध्वजारोहण समारोह में भाग लिया। ध्वजारोहण के पश्चात साध्वी सोमयशाजी एवं ऋषिप्रभाजी ने आचार्य श्री महाश्रमणजी द्वारा गतिमान अहिंसा यात्रा एवं अणुव्रत के बारे में बच्चों, शिक्षक और पोषकों को जानकारी दी। तेयुप के पूर्व अध्यक्ष महावीर गन्ना ने सभी का स्वागत किया। साध्वी सोमयशाजी ने अहिंसा यात्रा के लक्ष्यों के बारे में जानकारी दी। तेयुप सदस्यों द्वारा अणुव्रत के नियमों की पट्टावली को स्कूल में लगाने का अनुरोध किया जिसके लिए प्रधानाध्यापिका ने स्वीकृति प्रदान की। तेयुप द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी को चॉकलेट का वितरण किया। इस मौके पर तेयुप के अध्यक्ष धर्मेश डूंगरवाल, अभातेयुप के विशाल पितलिया, महिला मंडल की अध्यक्ष रेखा पितलिया आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद

बेंगलूरु के सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद द्वारा 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को 'आज की शाम, देश के नाम' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया। अध्यक्ष उदय कुमार ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रियल एस्टेट निकाय प्राधिकरण के अध्यक्ष राकेश सिंह ने दीप प्रज्वलन किया। परिषद के अध्यक्ष एसके उपाध्याय, विनय कुमार, डीजे शर्मा, आशीष मिश्रा, मोहन झा, मिंटू दुबे ने अतिथि का सम्मान किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि आजादी का मतलब सद्भावना एवं सहयोग होना चाहिए। राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष हरिश्चंद्र झा ने विचार व्यक्त किए। ट्रस्टी विजय शंकर प्रसाद सिंह और बीएसबी अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह का अतिथि ने सम्मान किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोकगायक रघुपति झा एवं रेवा गायिका ने प्रस्तुति दी। इस मौके पर बड़ी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया। ट्रस्टी राम लखन सिंह ने धन्यवाद दिया। मंत्री पंडित राजगुरु ने संचालन किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अणुव्रत समिति

बेंगलूरु के अणुव्रत समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल के नेतृत्व में श्रीरामपुरम स्थित गवर्नमेंट बॉयज हायर प्राइमरी स्कूल में ध्वजारोहण किया गया। स्कूल के बच्चों ने देशभक्ति से ओत प्रोत नाटिका, भाषण और संगीत का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अणुविभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा ने की। समिति के मुख्य सलाहकार कन्हैयालाल चिप्पड़ ने वन्देमातरम, भारत माता की जय के उदघोष लगवाए। कार्यक्रम के पश्चात गणेशमल रमेशकुमार गुगलिया के सौजन्य से विद्यार्थियों को पुस्तक, अभ्यास पुस्तिकाओं का वितरण किया गया। इस मौके पर समिति के अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन समिति के सचिव लाभेश कांसवा ने किया ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल युवा शाखा

मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ कर्नाटक की युवा शाखा के सदस्यों ने कर्नाटक पब्लिक स्कूल शेषाद्रीपुरम में स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति की भावना और सेवा कार्य के साथ मनाया। युवा अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने बताया कि पानीबाई, सुरेशकुमार, सुनीलकुमार हिंगड़ परिवार के सौजन्य से स्कूल के बच्चों को स्कूल के जूते, मौजे, नोटस बुक्स एवं दैनिक उपयोग में आने वाली पाठ्य सामग्री वितरित की। युवा मंत्री मनीष टुकलिया, मानव सेवा प्रभारी दिलीप हिरण एवं आशीष कोठारी सहित अनेक पदाधिकारियों की उपस्थिति थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वतंत्रता दिवस

बेंगलूरु के गोरगुण्टेपाल्या यूथ एसोसिएशन द्वारा 79 वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में गोरगुण्टेपाल्या खेल मैदान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी सौहा, कांग्रेस नेत्री कुसुमा, पूर्व महापौर हुच्चपा, समाजसेवी महेंद्र मुणोत एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन किया। विभिन्न स्कूलों से आए हुए बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में संगठन के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत, अतिथियों एवं अन्य सदस्यों ने मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेयुप विजयनगर

तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा निर्मित आचार्य महाप्रज्ञ प्रज्ञा केंद्र पंजंहल्ली एवं कालमबेल्ला में सरकारी स्कूल के बच्चों के संग स्वतंत्रता दिवस मनाया। झंडारोहण के पश्चात तेयुप के अध्यक्ष विकास बाँठिया एवं सेवा कार्य सलाहकार संजय भटेवरा ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। तत्पश्चात टीम द्वारा लगभग 425 बच्चों को नोट बुक, स्टेशनरी किट, मिठाई, बिस्कुट, जूस एवं अन्य जरूरत के सामान भेंट किए। इस अवसर पर परिषद के उपाध्यक्ष पवन बैद, सेवा कार्य संयोजक राकेश मारु, सह संयोजक जितेश मांडोत आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान : बेंगलूरु के काठां प्रांत यशवंतपुर मंडल द्वारा मानव सेवा योजना के अंतर्गत मरुधर केसरी श्री मिश्रीमलजी एवं लोकमान्य संतश्री रूपमुनिजी के जन्मोत्सव के अवसर पर शुक्रवार सुबह यशवंतपुर में अन्नदान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। अन्नदान के लाभार्थी भवरलाल महेंद्र बोहरा एवं सुकनराज अमित गुगलिया परिवार सहित अनेक सदस्यों ने अन्नदान में सहयोग किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन विद्यालय

बेंगलूरु के बीबीयूल जैन विद्यालय व सी बी भंडारी जैन कॉलेज के तत्वावधान में 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस मौके पर अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी तिप्पेस्वामी, संस्थान के अध्यक्ष चम्पालाल भंडारी, चम्पालाल जैन, हेमराज मन्नु, चम्पालाल दांतेवाड़िया, स्कूल व कॉलेज के प्राचार्यों ने झंडारोहण किया। विद्यार्थियों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जिसे सभी ने खूब सराहा। मुख्य अतिथि तिम्मेस्वामी ने देश की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेयुप गाँधीनगर

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर द्वारा 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में नंदिनी लेआउट स्थित आचार्य महाप्रज्ञ हाई स्कूल में ध्वजारोहण एवं मानव सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तेयुप के अध्यक्ष प्रसन्न धोका द्वारा ध्वजारोहण किया गया। स्कूल के बच्चों द्वारा भाषण, गीत और नुक्कड़ नाटक आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। परिषद मंत्री प्रदीप चोपड़ा ने कन्नड़ भाषा में बच्चों को छोटी कहानी के माध्यम से ज्ञान दिया। स्कूल के ट्रस्टी मनोहर भारती ने परिषद परिवार की प्रशंसा की। इस मौके पर स्कूल के लगभग 580 बच्चों, 55 शिक्षकों, कर्मचारियों एवं 32 अन्य को मिठाई एवं बिस्किट वितरण किया तथा 20 बच्चों को राकेश चोरड़िया के सहयोग छात्रवृत्ति प्रदान की गई।।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दि चाइल्ड किंगडम प्री स्कूल

बेंगलूरु के बसवनगुड़ी के दि चाइल्ड किंगडम प्री स्कूल के छोटे छोटे बच्चों ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर वाणीविलास रोड सर्कल पर रंग–बिरंगे फ्लैश मॉब का आयोजन करते हुए 'फ़िट इंडिया ही हिट इंडिया' का संदेश फैलाया। प्रीस्कूल की 10वीं वर्षगांठ के मौके पर स्कूल के ट्रस्टी नवलकिशोर मालू अनुश्री मालू ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीतो हुब्बल्ली

हुब्बल्ली के जीतो चैप्टर ने भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना और अर्धसैनिक बलों के लगभग 40 परिवारों को को सम्मानित कर अनूठे तरीके से देशभक्ति का स्वतंत्रता उत्सव मनाया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन ब्रिगेडियर सुधींद्र इटनाल, हुब्बल्ली–धारवाड़ के पुलिस आयुक्त एन. शशि कुमार, केकेजी ज़ोन के संयोजक भरत पटवारी और अन्य सैन्य अधिकारियों ने किया। अध्यक्ष अनिल कुमार जैन ने सभी का स्वागत किया तथा मुख्य सचिव प्रवीण चौधरी ने अतिथियों का परिचय दिया। उपस्थित सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने राष्ट्र निर्माण, एकता और सेवा के लिए जैन समुदाय विशेषकर जीतो की सराहना की। इस मौके पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस मौके पर जीतो के अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पार्श्व गायिका श्रीरक्षा उचिला और कार्यक्रम संयोजक नवीन खिंवेसरा ने किया।

तेरापंथ महिला मंडल ने कन्या सुरक्षा सर्कल पर मनाया स्वतंत्रता दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर द्वारा 79 वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर गांधीनगर शाखा, कन्या मंडल द्वारा बसवनगुड़ी तथा तुलसी चेतना केंद्र में झंडारोहण किया गया। सर्वप्रथम बसवनगुड़ी कन्या सुरक्षा स्तंभ पर चिकपेट क्षेत्र के विधायक उदय गरुड़ाचार्य ने मंडल को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दी। पूर्व पार्षद कविता पोरवाल, संगठन मंत्री प्रमिला धोका, प्रचार प्रसार मंत्री संगीता आंचलिया, पूर्वाध्यक्ष निर्मला सोलंकी, संतोष सोलंकी आदि उपस्थिति थीं। तुलसी चेतना केंद्र के परिसर एवं स्कूल के कन्या सुरक्षा स्तंभ के समक्ष भी ध्वजारोहण किया गया। अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा ने सभी का स्वागत किया। मंत्री विजेता रायसोनी ने धन्यवाद दिया।

प्रवासी समुदाय ने आचार्यश्री की निश्रा में सामूहिक रूप से मनाया स्वतंत्रता दिवस

-सबके प्रति न्याय और सही नीति के बिना आजादी अधूरी : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शुक्रवार को स्थानीय पार्श्व बुद्धि वीर वाटिका में आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में 79वां स्वतंत्रता दिवस जैन संप्रदाय, अग्रवाल, माहेश्वरी, राजपूत, राजपुरोहित, सीरवी, चौधरी, जाट, आंजना पटेल, गुजराती पटेल, प्रजापत, माली, घांची, देवासी, रैबारी, दर्जी, लुहार, सुथार और गुर्जर समाज के प्रवासियों की उपस्थिति में मनाया गया।

इस मौके पर आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि अगर उस जमाने की रियासतें आपस में एक दूसरे का सहयोग करती और गौरवशाली योद्धा पृथ्वीराज चौहान को समाप्त करने के लिए मोहम्मद गौरी को भारत न बुलाया जाता तो अपना देश कभी गुलाम न हुआ होता। हमारी आपसी फूट ने हमें एक हजार वर्षों तक गुलाम बनाए रखा। घर के ही चिराग से घर को आग लग गई। इसमें हमारे दुश्मनों का बहुत फायदा हुआ और हमारे देश का आपूरित भारी नुकसान।

राष्ट्रगौरव और उसकी रक्षा के लिए सभी को प्रेरित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि हम सभी को हिलमिलकर राष्ट्रीय चेतना को जगाने की आवश्यकता है। अपनी भाषा और संस्कृति को बचाते हुए प्राचीन गुरुकुल पद्धति की शिक्षा व्यवस्था को पुनः लागू करवाने की सख्त जरूरत है। अपने मन की भावनाओं पर काबू रखते हुए व्यसनों से दूर रहने की जरूरत है। जात–पात या वर्ण भेद को लेकर विवादों में उलझन अब नादानी है। सदाचार, शाकाहार, धर्मभावना, बुजुर्गों का सम्मान जैसी अपनी महान गुण परंपराओं को जीवंत रखिए और आगे बढाइए। समाज, धर्म और राष्ट्र की उन्नति तभी संभव होगी। जैन संघ के दलीचंद कवाड़ और पंकज बाफना आदि ने राष्ट्रध्वज लहराया।

संतश्री समकितमुनि का आगामी चातुर्मास महावीर धर्मशाला में घोषित

बेंगलूरु चातुर्मास समिति के सदस्यों ने वरिष्ठ संतों से किया निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्ष 2026 के लिए डॉ समकितमुनिजी आदि ठाणा 3 का चातुर्मास शहर के महावीर धर्मशाला में घोषित हो गया है। उपाध्याय विशालमुनिजी, प्रवर्तक आशीषमुनिजी ने चातुर्मास की स्वीकृति प्रदान की जिससे पूरे बेंगलूरु में खुशी की लहर व्याप्त है। बेंगलूरु चातुर्मास समिति की ओर से प्रकाशचंद बेताला, राजेन्द्रकुमार मरलेचा, नरेंद्रकुमार दुधेड़िया, महेन्द्रकुमार मेहता, गुलाबचंद पगारिया ने दिल्ली में विराजित श्रमण संघीय उपाध्याय विशालमुनिजी एवं हरियाणा के पंचकूला में विराजित उत्तर भारतीय प्रवर्तक आशीषमुनि जी के दर्शन कर वर्ष 2026 के लिए समकितमुनिजी के चातुर्मास हेतु निवेदन किया।

वरिष्ठ संतों ने समिति के निवेदन को स्वीकार करते हुए बेंगलूरु निवासियों की गुरु भक्ति, धर्मनिष्ठा एवं संघ के प्रति समर्पण की उच्च भावना की प्रशंसा करते हुए आगामी वर्ष हेतु डॉ. समकितमुनिजी के बेंगलूरु चातुर्मास की घोषणा की। घोषणा होते ही पूरा सभागार जय जयकार की ध्वनि से गुंजायमान हो गया। समिति की ओर से रमेश सिसोदिया ने पुष्कर में विराजित दक्षिण भारतीय प्रवर्तक सुकनमुनिजी की सेवा में चातुर्मास हेतु निवेदन पत्र प्रस्तुत किया।

श्याम मंदिर में धूमधाम से मनाई गई कृष्ण जन्माष्टमी

बेंगलूरु। शहर के बन्नरघटा रोड स्थित श्याम मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सायं 7 बजे से मन्दिर प्रांगण में भजनों की धूम रही, जिसमें टाटा नगर के गायक हरजीत सिंह हीरा ने भगवान कृष्ण व बाबा श्याम के मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर बाबा श्याम का फूलों से मनमोहक श्रृंगार किया गया। रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य होने पर आरती के साथ महोत्सव का समापन हुआ। मंदिर कमेटी के अनेक सदस्यों ने उपस्थित होकर भजनों का आनन्द लिया।

नगर निगम अधिकारियों को छोटी जगहों पर बनी अनधिकृत इमारतों की जांच करनी चाहिए : परमेश्वर

नगरथपेट में आग से एक ही परिवार के चार लोग सहित पांच मृत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि हजारों इमारतें बिना उचित अनुमति के छोटी जगहों पर बनाई जा रही हैं और बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) को उनकी जांच करनी चाहिए। मंत्री की यह टिप्पणी यहां के के.आर. मार्केट के पास नगरथपेट क्षेत्र में प्लास्टिक के सामान की निर्माण इकाई में आग लगने की घटना के बाद आई है जिसमें एक ही परिवार के चार लोगों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों की पहचान मदन सिंह (38), संगीता (33) और उनके दो बच्चों रितेश (7) और विहान (5) तथा पड़ोसी सुरेश कुमार (26) के रूप में की है।

पुलिस के अनुसार, मदन सिंह राजस्थान के मूल निवासी थे और लगभग 10 सालों से इस इमारत को किराए पर ले रखा था। वह एक छोटी फैक्टरी चलाते थे जहां प्लास्टिक के सामान के साथ-साथ चटाई भी बनायी जाती थी। वह इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर रहते थे।

परमेश्वर ने कहा, बीबीएमपी व्यापार लाइसेंस जारी करता है। हमें ऐसी दुर्घटनाओं के बारे में तभी पता चलता है जब वे घटित होती हैं। अधिकांश लोगों ने बिना अनुमति के गोदाम जैसी संरचनाएं बना ली हैं और वहीं रहते भी हैं। बीबीएमपी को इस ओर ध्यान देना चाहिए। मुआवजे के संबंध में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए परमेश्वर ने कहा कि वह मुख्यमंत्री से इस विषय पर बात करेंगे। बाद में संवाददाताओं से बात करते हुए बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने कहा कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका है।

उन्होंने बताया कि आग भूतल पर लगी और फिर दूसरी और तीसरी मंजिल तक फैल गई। उन्होंने बताया कि तीसरी मंजिल पर स्थित जिस कमरे में महिला और दोनों बच्चों के शव मिले, वह बाहर से बंद था। मदन के बड़े भाई गोपाल सिंह ने हलसुरु गेट पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, इमारत के मालिकों ने सुरक्षा मंजूरी या उचित अनुमति प्राप्त किए बिना तथा पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और आपातकालीन निकास की व्यवस्था किए बिना, अवैध रूप से इमारत का निर्माण किया। शिकायत में कहा गया है, उन्होंने बिना किसी एहतियाती उपाय के दुकानों, गोदामों और यहां तक कि आवासीय उद्देश्यों के लिए परिसर को किराए पर दे दिया, जबकि उन्हें अच्छी तरह पता था कि आग या अन्य दुर्घटनाओं की स्थिति में बचने का कोई साधन नहीं होगा। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें सुबह करीब तीन बजकर 14 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। एक अधिकारी ने बताया कि आग बुझाने के लिए आठ वाहन लगाए गए हैं और 55 दमकलकर्मी तथा 21 अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

उन्होंने कहा, यह एक तरह का गोदाम है जहां काफी सामान रखा हुआ है। इस वजह से आग पर काबू पाना मुश्किल हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि यह इमारत शहर के घनी आबादी वाले कारोबारी इलाके में स्थित है।

सिद्दरामय्या के लिए आरएसएस पर हमला बोलना अपनी कुर्सी बचाने का गारंटीशुदा समाधान है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा नेता आर. अशोक ने आरएसएस पर हमला बोलने को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर निशाना साधते हुए कहा कि यह उनके लिए अपनी कुर्सी बचाने का ''गारंटीशुदा समाधान'' बन गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को 79वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से राष्ट्र के नाम अपने संबोधन के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को दुनिया का सबसे बड़ा एनजीओ बताया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सिद्दरामय्या ने दावा किया था कि आरएसएस दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ अर्जित करने वाला, नफरत फैलाने वाला और सबसे विभाजनकारी, गैर-पंजीकृत, कर न देने वाला, और भारतीयों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने की साजिश रचने वाला संगठन है।

अशोक ने कहा, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या आरएसएस पर हमला बोलने के हर मौके का फायदा उठाते हैं। यह दृढ़ विश्वास नहीं है, यह मजबूरी है। यह विचारधारा नहीं है, यह बीमा है। यह विश्वास नहीं है, यह अस्तित्व बचाने का तरीका है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि सिद्दरामय्या गांधी परिवार को प्रभावित करने और कांग्रेस आलाकमान के प्रति वफादारी साबित करके अपनी ही पार्टी में गुटबाजी से मुख्यमंत्री की कुर्सी को सुरक्षित रखकर और अपनी सरकार की नाकामियों से ध्यान भटकाने के लिए नि:स्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा करने वाले संगठन आरएसएस को बदनाम करने के लिए उस पर हमला बोल रहे हैं।

अशोक ने कहा, आरएसएस को बदनाम करना सिद्दरामय्या के लिए अपनी कुर्सी बचाने का एक गारंटीशुदा समाधान है।

धर्मस्थल के खिलाफ चल रहे षडयंत्र को रोके सरकार : रवि कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रवि कुमार ने शनिवार को राज्य सरकार से हत्या के मामलों की जाँच कर रही एसआईटी के नाम पर धर्मस्थल के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को तुरंत स्थगित करने के लिए कार्रवाई करने का आग्रह किया। यहाँ जारी एक बयान में, रवि कुमार ने कहा कि एसआईटी जाँच के नाम पर निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा चलाए जा रहे इस मूर्खतापूर्ण बदनामी अभियान से राज्य भर के करोड़ों धर्मस्थल श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएँ आहत हुई हैं। रवि कुमार ने चेतावनी देते हुए कहा, लोग गुस्से और आक्रोश से उबल रहे हैं। अगर ईश्वर न करे, धर्मस्थल के भक्तों और उन तथाकथित समाज सुधारकों के बीच टकराव हुआ, तो परिणाम अकल्पनीय होंगे। अगर ऐसी कोई खतरनाक स्थिति पैदा होती है, तो इसके लिए पूरी तरह सरकार ज़िम्मेदार होगी। रवि कुमार के अनुसार, भाजपा ने एसआईटी जाँच का स्वागत 'सतर्क आशावाद' के साथ किया है और उम्मीद जताई है कि सौजन्या को न्याय मिलेगा। रवि कुमार ने आगे कहा, हालांकि, एसआईटी जाँच हर दिन बेवजह अजीबोगरीब मोड़ ले रही है। पुलिस ने न तो नकाबपोश व्यक्ति की पहचान उजागर की है और न ही उसका कोई परीक्षण किया है। दिन-ब-दिन, जाँच एक रहस्य में लिपटी, एक रहस्य के भीतर बंद होती जा रही है। लोकतंत्र में यह स्वीकार्य नहीं है।

सिद्दरामय्या ने स्वतंत्रता दिवस संबोधन के दौरान आरएसएस की तारीफ को लेकर प्रधानमंत्री की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को दुनिया का सबसे 'बड़ा एनजीओ' बताने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को उन पर 140 करोड़ भारतीयों के नेता के बजाय लाल किले की प्राचीर से आरएसएस प्रचारक के रूप में 'संबोधित' करने का आरोप लगाया। सिद्दरामय्या ने दावा किया कि 'आरएसएस दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ अर्जित करने वाला, नफरत फैलाने वाला और सबसे विभाजनकारी संगठन है।' उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस एक अपंजीकृत और कर ना देने वाला संगठन है जो भारतीयों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने की साजिश रचता है।

इससे पहले मोदी ने आरएसएस के 100 साल पूरे होने को दुनिया के सबसे बड़े एनजीओ' की 'बेहद गौरवशाली और शानदार' यात्रा बताया और राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा के लिए इसके स्वयंसेवकों को सलाम किया। 79वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश का निर्माण केवल सरकार द्वारा नहीं, बल्कि समाज के सभी लोगों के प्रयासों से होता है। मोदी की टिप्पणियों का हवाला देते हुए सिद्दरामय्या ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया, स्पष्ट कर दें : 'आरएसएस कोई गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) नहीं है। यह एक अपंजीकृत, कर ना देने वाला संगठन है जो राजनीतिक लाभ और नफरत पर फलता-फूलता है और भारतीयों को बांटने की साज़िश रचता है।'

उन्होंने आरोप लगाया कि लाल किला भाजपा की रैली का मंच 'नहीं' बल्कि एक ऐतिहासिक महत्व का स्थान है जहां से प्रधानमंत्री को सभी नागरिकों के लिए बोलना चाहिए, न कि अपनी पार्टी के मूल संगठन का प्रचार करना चाहिए। सिद्दरामय्या ने आरोप लगाया, ''आरएसएस की प्रशंसा करके प्रधानमंत्री मोदी ने एक आरएसएस प्रचारक के रूप में बात की, न कि 140 करोड़ लोगों के नेता के रूप में।''

उन्होंने इस टिप्पणी को आरएसएस को खुश करने की एक हताश चाल' बताया, जब मोदी राजनीतिक रूप से कमजोर और उसके समर्थन पर 'निर्भर' हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मोदी ने एक ऐसे संगठन का समर्थन करके पूरे देश की ओर से बोलने का नैतिक अधिकार खो दिया है' जिसकी स्वतंत्रता संग्राम में कोई भूमिका नहीं थी, जिसने तिरंगे का विरोध किया और एक समान एवं समावेशी भारत के विचार के विरुद्ध काम किया।'

उन्होंने आरएसएस को एक ऐसा संगठन बताया जिसकी विचारधारा ने महात्मा गांधी की हत्या को प्रेरित किया और जिस पर 'नफरत फैलाने' के लिए तीन बार प्रतिबंध लगाया गया था। सिद्दरामय्या ने आरएसएस पर हिंदू धर्म (विविधता और सहिष्णुता का पर्याय) को एक संकीर्ण दृष्टिकोण में बदलने का आरोप लगाया, जो इससे बाहर के लोगों को दोयम दर्जे का नागरिक मानकर व्यवहार करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'आरएसएस ने दशकों से सांप्रदायिक हिंसा को बढ़ावा दिया है और उसे हवा दी है' और अपने नेटवर्क के जरिए युवाओं के दिमाग को भ्रष्ट किया है।' उन्होंने पूछा कि ''क्या प्रधानमंत्री यह नहीं देखते कि इसका वर्चस्ववादी दृष्टिकोण समानता को नकारता है, सद्भाव को विषाक्त करता है और संविधान का खंडन करता है।'' उन्होंने कहा, ''स्वतंत्रता दिवस उन लोगों को सम्मानित करने का समय है जिन्होंने भारत को एकजुट किया।''

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक ऐसी ताकत का महिमामंडन किया जो ध्रुवीकरण पर फलती-फूलती है, अंग्रेजों के साथ मिलीभगत करती है और उनके अधिनायकवाद को प्रतिबिंबित करती है।

कर्नाटक सामूहिक कब्र मामला

भाजपा की प्रदेश इकाई ने शुरू किया 'धर्मस्थल चलो' अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने सामूहिक कब्र मामले से जुड़ी कथित साजिश के विरोध में शनिवार को 'धर्मस्थल चलो' अभियान शुरू की। विधायक एस.आर. विश्वनाथ के नेतृत्व में भाजपा की येलहंका इकाई ने नेलमंगला टोल से श्रीक्षेत्र धर्मस्थल तक 'धर्मस्थल चलो' अभियान शुरू किया। इसकी शुरुआत धार्मिक अनुष्ठानों से हुई। सड़क पर सैकड़ों वाहनों का काफिला दिखा। यह यात्रा गलत जानकारी का जवाब देने के लिए आयोजित की गई है। इस यात्रा में शामिल सभी लोग शाम को श्रीक्षेत्र धर्मस्थल पहुंचकर भगवान मंजूनाथ स्वामी के दर्शन करेंगे। यात्रा में विधायक एस.आर. विश्वनाथ, राज्य दुग्ध महासंघ के संयोजक बेलूर राघवेन्द्र शेट्टी, प्रमुख नेता, पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए हैं।

यात्रा में शामिल विधायक विश्वनाथ ने कहा, हम करीब 300 कारों के साथ धर्मस्थल की यात्रा कर रहे हैं। सामूहिक कब्र मामले की एसआईटी (विशेष जांच दल) द्वारा की जा रही जांच का स्वागत करते हैं। लेकिन, कुछ स्वार्थी लोग हिंदू तीर्थस्थल को बदनाम करने और उसके खिलाफ झूठा प्रचार करने के लिए जांच को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमने यूट्यूबर्स और कुछ मीडिया समूहों द्वारा धर्मस्थल के खिलाफ फैलाए जा रहे झूठे प्रचार का जवाब देने और उसका विरोध करने के लिए 'धर्मस्थल चलो' अभियान शुरू किया है। हम शाम तक धर्मस्थल पहुंचेंगे और रात को प्रार्थना करेंगे। रविवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी और अन्य वरिष्ठ नेता भी धर्मस्थल आएंगे। हम सभी मिलकर भगवान मंजूनाथ के दर्शन और पूजा करेंगे। उन्होंने कहा, कल लगभग 35 से 40 भाजपा विधायक भी हमारे साथ जुड़ेंगे और हम सभी मिलकर भगवान से प्रार्थना करेंगे।

विधायक विश्वनाथ ने कहा, कांग्रेस की कर्नाटक सरकार और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार अब कह रहे हैं कि धर्मस्थल तीर्थस्थल के मामले में जो कुछ हो रहा है, वह एक बड़ी साजिश है।

उन्हें अब इसका एहसास हुआ है, लेकिन यह बयान उन्हें पहले दे देना चाहिए था। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने शुक्रवार को कहा कि हिंदू तीर्थस्थल के खिलाफ झूठा प्रचार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। केपीसीसी कार्यालय के पास मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, सरकार उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने पर विचार कर रही है जिन्होंने धर्मस्थल मामले में झूठी बातें फैलाई हैं।

जन्माष्टमी पर इस्कॉन मंदिर में लगा लोगों का तांता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इस्कॉन बेंगलूरु के तत्वावधान में ने 15 और 16 अगस्त को हरे कृष्णगिरि, वैकुंठगिरि और केटीपीओ, व्हाइटफील्ड में भगवान कृष्ण के दिव्य जन्मोत्सव, श्री कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव मनाया। दो दिवसीय इस उत्सव में तीनों स्थानों पर भगवान कृष्ण का अभिषेक, आरती, छप्पनभोग, पुष्पांजलि सेवा, पालकी उत्सव और उय्याले सेवा शामिल थी। इस अवसर पर, भगवान को 108 व्यंजनों का विशेष भोग भी लगाया गया।

हरेकृष्णगिरि श्री राधा कृष्ण मंदिर और वैकुंठगिरि श्री राजाधि राज गोविंद मंदिर को रंग-बिरंगे फूलों, बिजली के दीयों और मालाओं से सजाया गया था। मूर्तियों को नए वस्त्रों, चमकदार आभूषणों और सुगंधित मालाओं से सजाया गया था। दूध, दही, घी, शहद और फलों के रस जैसी शुभ वस्तुओं से भव्य अभिषेक के साथ जन्माष्टमी की शुरुआत हुई। इसके बाद, भगवान की आरती की गई और विभिन्न पारंपरिक व्यंजनों का भोग लगाया गया। 16 अगस्त की मध्यरात्रि को भगवान के स्वागत में सबसे भव्य और भव्य अभिषेक किया गया। भक्तों ने कृष्ण को पुष्प, मक्खन और अन्य प्रसाद अर्पित किए। मंदिर में अनेक मंत्रियों सहित गणमान्यों ने भी दर्शन कर भगवान के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस्कॉन बेंगलूरु के अध्यक्ष मधु पंडित दास ने कहा, हमें जन्माष्टमी उत्सव में लाखों भक्तों का स्वागत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों से भक्तों ने हमारे 'स्वागतम कृष्ण' डिजिटल उत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कर्नाटक को केंद्र से संसाधनों के वितरण में भेदभाव का सामना करना पड़ रहा : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि उनके राज्य को केंद्र से संसाधनों के वितरण में भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। सिद्दरामय्या ने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने अपना खुद का विकास मॉडल बनाया है, जिसे व्यापक रूप से कर्नाटक विकास मॉडल के रूप में जाना जाता है और इसकी गारंटी योजनाओं को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिली है। बेंगलूरु में 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में अपने संबोधन में सिद्दरामय्या ने दावा किया, कर्नाटक को केंद्र से संसाधनों के वितरण में भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है।

राजन्ना ने कर्नाटक की मौजूदा सरकार के कार्यकाल में मंत्री के रूप में वापसी करने का विश्वास जताया

तुमकुरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक में सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल से हाल में बर्खास्त किए गए के एन राजन्ना ने मौजूदा सरकार के कार्यकाल में मंत्री के रूप में वापसी करने का शुक्रवार को विश्वास जताया। राजन्ना ने कहा कि वह विधानसभा सत्र के बाद नयी दिल्ली जाकर पार्टी के शीर्ष नेताओं से मिलेंगे और अपनी बर्खास्तगी के सही कारणों का पता लगाएंगे। कांग्रेस आलाकमान के निर्देश के बाद सहकारिता मंत्री राजन्ना को सोमवार को मंत्रिमंडल से हटा दिया गया था। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ''वोट चोरी'' के आरोपों पर उन्होंने हाल में कुछ टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि कर्नाटक में चुनावों के लिए मतदाता सूचियां कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में तैयार की गई थीं। उन्होंने अपनी ही पार्टी से सवाल किया था कि उन्होंने तब अनियमितताओं को क्यों नहीं रोका।

राजन्ना ने एक सवाल के जवाब में पूछा, ''इस सरकार के कार्यकाल में समय आने पर मैं मंत्री पद ग्रहण करूंगा। आपको इसमें कोई संदेह क्यों है?'' पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, ''मैंने अब तक जीवन में जो कुछ भी चाहा, वह सब हासिल कर लिया है। मैं इसी कार्यकाल में यह (मंत्री पद) भी हासिल कर लूंगा।'' एक सवाल के जवाब में राजन्ना ने

कहा कि उन्हें भरोसा है कि आलाकमान को इस पर यकीन हो जाएगा।

उन्होंने कहा, ''दिल्ली में कुछ लोग हो सकते हैं जो (मेरे खिलाफ) सुनियोजित तरीके से काम कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मुझे किसी को (राजनीतिक रूप से) सुनियोजित तरीके से खत्म करना नहीं आता। यह हुनर तो मैं भी जानता हूं, लेकिन इसमें समय क्यों बर्बाद करूं? यही समय जनता की भलाई के लिए भी तो इस्तेमाल किया जा सकता है।'' यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी बर्खास्तगी के पीछे कोई अदृश्य ताकत है, उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा, बिना अदृश्य हाथों के, अचानक निर्णय कैसे आ सकता है? खुद मुख्यमंत्री को भी नहीं पता था कि आलाकमान इस बारे में सोच रहा है। अपने घर से विधानसभा जाते हुए, मुख्यमंत्री कुछ देर अकेले में किसी से फोन पर बात करते देखे गए। कुछ चैनलों ने वीडियो दिखाए। मामला वही था (बर्खास्तगी)। मुख्यमंत्री को तब पता चला।''

उन्होंने कहा, सिद्दरामय्या ने आलाकमान को समझाने की कोशिश की थी, लेकिन जब उन्होंने कहा कि फैसला हो चुका है, तो मुख्यमंत्री ने मुझे स्थिति के बारे में बताया। मैंने कहा ठीक है...।

'' राजन्ना ने कहा कि उन्हें अभी भी अपनी बर्खास्तगी का सही कारण पता नहीं है। उन्होंने कहा, ''विधानसभा सत्र समाप्त होने के बाद मैं दिल्ली जाऊंगा और वहां के नेताओं से मिलकर कारण जानने की कोशिश करूंगा। मुझे मंत्री पद जाने का कोई दुख नहीं है... राजनीति में ऐसे उतार-चढ़ाव मेरे लिए कोई नयी बात नहीं है।

'धर्मस्थल' क्षेत्र से जुड़े मामले में एसआईटी रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि सरकार एसआईटी जांच रिपोर्ट के आधार पर धर्मस्थल नामक क्षेत्र से जुड़े मामले के संबंध में गलत कार्यों या षड्यंत्रों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्णय लेगी। राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) पिछले दो दशकों में धर्मस्थल क्षेत्र में हुई अनेक हत्याओं, बलात्कारों और शवों को दफनाने के आरोपों की जांच कर रहा है।

शिकायतकर्ता एक पूर्व सफाई कर्मचारी है और उसकी पहचान गोपनीय रखी गई है। उसने आरोप लगाया कि 1995 से 2014 के बीच धर्मस्थल में तैनाती के दौरान उसे शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया जिनमें महिलाओं और नाबालिगों के शव भी शामिल थे। धर्मस्थल क्षेत्र के मामले में कार्रवाई से जुड़े सवाल पर परमेश्वर ने कहा, मैं अभी कुछ नहीं कह सकता। जांच रिपोर्ट के आधार पर ही कुछ कहा जा सकता है। चाहे वह अंतरिम रिपोर्ट हो या अंतिम रिपोर्ट। जब तक रिपोर्ट नहीं आ जाती, मैं इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: 11-SNT-MYS-2025
दिनांक: 07.08.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	रा.म.मा. 275के का आरयूबी नं. 745ए किमी. 133/100-200, आरयूबी नं. 293ए किमी. 4/400-500, आरयूबी नं. 3 किमी. 0.780, आरयूबी नं. 765बी किमी. 7/500-600 पर सर्वीस रोड के साथ 6 लेन का निर्माण के संबंध में एस व टी केबल संपर्कों को स्थानांतरण करना।	रु. 45,46,052.22
2	अशोकपुरम पर लिफ्ट के लिए सीसीटीवी कैमरा के प्रावधान, कृष्णराजनगर और हावेरी स्टेशनों पर मौजूदा एकओबी का प्रावधान के संबंध में दूरसंचार केबलों और व्यवस्था का स्थानांतरण करना।	रु. 21,20,010.16
3	मैसूरु विभाग पर अतिरिक्त फ्रंट एंड प्रोसेस्सर्स (एफईपी) से डैटालॉगर्स का गती को बढ़ाना, पुराना संस्करण वाली डैटालॉगर्स को नई संस्करण वाली डैटालॉगर्स से प्रतिस्थापन करना, डैटालॉगरों मे वाईटल रिले का बचा हुआ डिजिटल इन्पुट और अनलॉग वोल्टेजस को साबीत करन, और इसी तरह डैटालॉगर्स का दक्षता मे सुधार करना।	रु. 69,20,887.18

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि:
01.09.2025, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार इंजीनियर
PUB/373/AAF/PRB/SWR/2025-26 मैसूरु
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

स्वदेशी अपनाकर देश की प्रगति में बनें सक्रिय भागीदार : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर, खुशहाल और समृद्ध बना है, यहां हर व्यक्ति के पास तरक्की के भरपूर अवसर हैं। उनके नेतृत्व में आज भारत की न केवल दुनिया में साख बढ़ी है बल्कि विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। अब देश आत्मनिर्भरता की एक नई कहानी लिख रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। राज्य सरकार विकास और सुशासन के संकल्प पर कार्य करते हुए समृद्ध और विकसित राजस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शर्मा शुक्रवार को जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना दी और स्वाधीनता के लिए जीवन भर पीड़ाएं-यातनाएं झेलने वाले ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों और बलिदानियों को नमन किया। उन्होंने इस राष्ट्रीय पर्व पर बहादुर जवानों को स्मरण करते हुए कहा कि वे देश की सीमाओं पर दिन-रात मुस्तैदी के साथ डटे हुए हैं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपनी अमूल्य सेवाएं देने वाले सभी पुलिसकर्मियों और नागरिक संगठनों व समाजसेवी संस्थाओं को भी धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बीते 11 वर्ष में ऐतिहासिक निर्णय एवं कार्य किए हैं। स्वच्छ भारत अभियान, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और किसान सम्मान निधि जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन के सपने पूरे हो रहे हैं। शर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत 140 करोड़ भारतीयों का सपना, दृढ़ निश्चय और एक जन आंदोलन है। इस सपने को साकार करने में सभी सक्रिय रूप से देश की प्रगति में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' से प्रेरणा लेते हुए हमें स्वदेशी उत्पादों को गर्व के साथ अपनाना है। 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' में अब जय अनुसंधान जोड़ने की आवश्यकता है। खादी का धागा आजादी की लड़ाई में हमारी ताकत बना था, और आज वही धागा हमें विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है। आज, 'मेक इन इंडिया' के तहत हम स्वदेशी युद्धपोत, विमान और अत्याधुनिक हथियार प्रणालियां बना रहे हैं। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आर्थिक ताकत ही नहीं बल्कि सैन्य ताकत के रूप में भी उभरा है, जिसकी बानगी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के रूप में सारी दुनिया ने देखी है।

ऑपरेशन सिंदूर केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि हमारे देश की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि अब सुरक्षा और सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। भारत अब आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि यह नया भारत है जिसका नेतृत्व ऐसे प्रधानमंत्री के हाथ में है जो कहने में नहीं, करने में विश्वास रखते हैं।

गहलोत की सुर्खियां बटोरने की आदत पुरानी : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि उन्हें जोधपुर में स्वतंत्रता दिवस के राजकीय कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए था लेकिन उन्हें तो राजनीति करनी है। सुर्खियां बटोरने के लिए राजनीति करना उनकी पुरानी आदत है। पटेल ने अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि जोधपुर में राज्यस्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन से जोधपुर एवं सीमावर्ती जिलों में उत्साह है।

गहलोत 15 साल मुख्यमंत्री रहे लेकिन उन्होंने जोधपुर को इस हक से वंचित रखा। उन्होंने कहा कि जोधपुर में स्वतंत्रता दिवस समारोह की भव्यता से ईर्ष्या होना स्वाभाविक है। ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता पर हुआ अद्भुत ड्रोन शो सालों तक याद किया जाएगा। उस शो की चमक से बॉर्डर पार भी कइयों की आंखें चोंधिया गई हैं लेकिन राजनीति करने से कभी नहीं चूकने वाले इस मौके पर भी बाज़ नहीं आए।

पटेल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत होता है लेकिन गहलोत ने साल 2023 में राजकीय कार्यक्रम को घोषणा दिवस बना दिया था और एक करोड़ महिलाओं को स्मार्टफ़ोन देने की घोषणा की थी लेकिन लोगों को कुछ नहीं मिला पटेल ने जोधपुर में रेजिडेंसी रोड पर हुई दुर्घटना में एक बच्चे की मृत्यु को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह घटना सुबह साढ़े पांच बजे हुई है। इस घटना को मुख्यमंत्री के जोधपुर प्रवास से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस घटना पर संवेदनशीलता दिखाते हुए सांसद एवं विधायक को पीड़ित परिजनों के पास भेजा। सरकार ने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता एवं एक परिजन को संविदा पर नौकरी देने का आश्वासन दिया है। वहीं जोधपुर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए डंपर ड्राइवर को निरूद्ध कर डंपर को जब्त किया है।

भजनलाल शर्मा ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर गोविन्द देव जी के किए दर्शन

जयपुर/दक्षिण भारत । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सपत्नीक जयपुर के आराध्य देव गोविन्द देव जी मंदिर में दर्शन किए। शर्मा ने विधिवत रूप से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं आमजन की खुशहाली की प्रार्थना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भगवान कृष्ण ने गीता में जो उपदेश दिए, वह आज भी हमारे जीवन को सार्थक बना रहे हैं। हम सभी को भगवान कृष्ण के दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि कृष्ण ने कर्म की प्रधानता का संदेश दिया था। इसे आत्मसात कर हम सभी को विकसित भारत, विकसित राजस्थान के लिए मिलकर कार्य करना होगा। इसके पश्चात शर्मा ने जयनिवास बाग में ही देवस्थान विभाग के राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार श्रेणी के मंदिर लक्ष्मीनारायण जी में भी दर्शन किए।

भजनलाल ने वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें अर्पित की श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर वाजपेयी के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि वाजपेयी ने दूरदर्शी नेतृत्व और मजबूत निर्णयों के माध्यम से देश के चहुंमुखी विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि वाजपेयी ओजस्वी वक्ता और कुशल राजनेता के रूप में सदैव याद किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद थे।

राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के पूर्वी इलाके के कुछ हिस्सों में 24 घंटे के दौरान मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम तथा कहीं कहीं पर भारी बारिश हुई, जबकि पश्चिमी हिस्सों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम तथा एक-दो स्थानों पर भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि इस दौरान राज्य में सर्वाधिक 70.0 मिलीमीटर बारिश बाली (पाली) में हुई।

उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में उदयपुर के गोगुंदा में सात सेंटीमीटर, डूंगरपुर के देवल में छह सेंटीमीटर, भरतपुर के पहाड़ी में छह सेंटीमीटर, झालावाड़ के गंगधार में पांच सेंटीमीटर, राजसमंद के नाथद्वारा में पांच सेंटीमीटर, कुंभलगढ़ में पांच सेंटीमीटर और अन्य कई स्थानों पर चार सेंटीमीटर से एक सेंटीमीटर तक बारिश दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में दक्षिण ओडिशा व आंध्रप्रदेश के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। प्रवक्ता ने बताया कि इस तंत्र के प्रभाव से आगामी चार से पांच दिन दक्षिणी राजस्थान के उदयपुर, जोधपुर संभाग के कुछ भागों में मेघ गर्जन के साथ मध्यम व कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। अन्य कोटा, अजमेर, जयपुर, भरतपुर व बीकानेर संभाग के कुछ भागों में मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में बंगाल की खाड़ी में एक के बाद एक कम दबाव के क्षेत्र बनने के कारण अगस्त के आखिरी सप्ताह में मानसून राज्य के अधिकांश भागों में सक्रिय रहने तथा मध्यम से तेज बारिश की गतिविधियां दर्ज होने की प्रबल संभावना है।

प्रवक्ता के अनुसार शुक्रवार को राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं शनिवार सुबह राज्य में निम्नतम न्यूनतम तापमान प्रतापगढ़ में 24.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

देवनानी ने महाना को राजस्थान वि.स. के सदन और कांस्टीट्यूशनल क्लब का अवलोकन कराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से शनिवार को यहां विधानसभा में उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने शिष्टाचार भेंट की। दोनों अध्यक्षों ने संसदीय कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक परंपराओं, विधायिका की चुनौतियां और उसकी प्रभावी भूमिका पर चर्चा की। देवनानी ने राजस्थान विधानसभा की विशेषताओं,नवाचारों, सदन की ऑनलाइन एवं पेपरलेस प्रक्रिया,पारदर्शी कार्यशैली की जानकारी दी।

महाना ने राजस्थान विधानसभा भवन की अनूठी स्थापत्य संरचना, सदन की ऑनलाइन एवं पेपरलेस कार्यप्रणाली और यहां विकसित की गई आधुनिक व्यवस्थाओं से संबंधित विभिन्न नवाचारो का अवलोकन किया। उन्होंने विधानसभा स्थित विधानसभा संग्रहालय (म्यूजियम) का भी दौरा किया और वहाँ प्रदर्शित संसदीय धरोहर, संविधानिक इतिहास एवं राजस्थान की समृद्ध लोकतांत्रिक परंपरा से संबंधित दुर्लभ दस्तावेज़ों की सराहना की।

देवनानी और महाना ने विधानसभाओं से संबंधित संसदीय कार्य प्रणालियों पर आधारित अनुभव साझा किये। दोनों अध्यक्षों ने माना कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती के लिए एक-दूसरे के अनुभवों का आदान-प्रदान अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों की विधान सभाओ के आपसी सहयोग को अधिक प्रगाढ़ बनाने के लिए विधान मंडलों के अध्यक्षो के अनुभवों को साझा करने बल दिया। देवनानी ने महाना को बताया कि राजस्थान विधानसभा में भारतीय नव वर्ष के अनुसार वार्षिक डायरी का प्रकाशन किया गया है। विधानसभा में कारगिल शौर्य वाटिका का निर्माण किया गया है। विधानसभा के राजनीतिक आख्यान संग्रहालय में राजस्थान के महापुरुषों और विभिन्न क्रांतियों से संबंधित जानकारियों तथा संवैधानिक दीर्घा के नवाचार भी समावेशित किये गये है। देवनानी ने महान को क्लब का अवलोकन करते हुए बताया की क्लब के विभिन्न सभागारों का नामकरण भारतीय शब्दों पर किया गया है। देवनानी ने महाना को पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर तथा दुपट्टा व शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। देवनानी ने महाना के सम्मान में उन्हें दोपहर भोज भी दिया।

बीएमवीएसएस ने 24 लाख दिव्यांग व्यक्तियों की मदद की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर फुट के निर्माता भगवान महावीर दिव्यांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस) ने 1975 में अपनी स्थापना के बाद से भारत और विदेश में लगभग 24 लाख दिव्यांग व्यक्तियों की मदद की है। संस्था के संस्थापक डी आर मेहता ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इनमें से 47,527 विदेशी नागरिक हैं, जिन्हें 46 देशों में आयोजित 116 शिविरों के माध्यम से सहायता दी गई।

हाल ही में, संगठन ने विदेश मंत्रालय के सहयोग से अफगानिस्तान के काबुल में शिविर आयोजित किए, जहां 75 लोगों की मदद की गई, जबकि मोजाम्बिक के मापुटो में 1,230 लोगों का पुनर्वास किया गया। मेहता ने कहा, पिछले एक साल में ही, बीएमवीएसएस ने कृत्रिम अंग, कैलीपर्स, तिपहिया साइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र और अन्य सहायक उपकरण प्रदान करके 1.78 लाख लोगों की मदद की है। मेहता ने बताया कि संगठन जल्द ही तंजानिया, निकारागुआ, त्रिनिदाद और टोबैगो, ग्वाटेमाला, सूडान और म्यांमा में शिविर आयोजित करेगा।

एनजीओ ने अपनी स्वर्ण जयंती के अवसर पर अमृतसर और एम्स भोपाल में नयी शाखाएं भी खोली हैं। जगदलपुर, शिलांग, बाड़मेर, हमीरपुर और एम्स जम्मू में भी केंद्र खोलने की योजना है।

भरतपुर के राधा रमन मंदिर में हुआ भगवान कृष्ण का अभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। भरतपुर में स्थित 160 साल पुराने राधा रमन मंदिर में जन्माष्टमी के पावन अवसर पर भगवान कृष्ण का 501 किलो पंचामृत से अभिषेक किया गया। गोड़ीय संप्रदाय का यह मंदिर अपनी विशेष परंपरा के लिए जाना जाता है, जहाँ अन्य मंदिरों की तरह आधी रात के बजाय दिन के समय ही भगवान का अभिषेक किया जाता है। जन्माष्टमी के इस खास मौके पर सुबह से ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था। दोपहर में हुए अभिषेक के बाद भक्तों ने भगवान की पूजा-अर्चना कर सुख-शांति की कामना की। इस दौरान मंदिर में भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पूरे भारत में धूमधाम से मनाई जाने वाली जन्माष्टमी का उत्साह ब्रज क्षेत्र का हिस्सा होने के कारण भरतपुर में और भी खास होता है। दिन भर व्रत रखने वाले भक्त रात 12 बजे भगवान कृष्ण का अभिषेक करने के बाद अपना व्रत खोलते हैं।

पाली में 50 हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

पाली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने पाली में बड़ी कार्रवाई करते हुए आज एक पटवारी को 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान अशोक पटवारी, पटवार मंडल सीरियारी, तहसील मारवाड़ जंक्शन, जिला पाली के रूप में हुई है।

ए.सी.बी. की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी चौकी पाली द्वितीय को एक शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसका प्लॉट और दुकान का म्यूटेशन करने के बदले में पटवारी अशोक 50,000 रुपये की रिश्वत मांग रहा था। शिकायत के सत्यापन के बाद, एसीबी जोधपुर रेंज के उप महानिरीक्षक भुवन भूषण यादव के मार्गदर्शन में और एसीबी पाली द्वितीय के प्रभारी खींव सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया।

राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में अव्यवस्थाओं से आमजन परेशान : गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जोधपुर में सड़क दुर्घटना में एक बालक की मृत्यु पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं अत्यंत दुखद और पीड़ादायक हैं। स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह के दौरान प्रशासनिक अव्यवस्थाओं ने आमजन को भारी परेशानी में डाल दिया। मिली जानकारी के अनुसार धूप और भीड़ के कारण 15 से अधिक बच्चों को डिहाइड्रेशन की स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। वहीं कई लोगों को प्रवेश पास होने के बावजूद कार्यक्रम स्थल में प्रवेश नहीं दिया गया, जिससे असंतोष का माहौल रहा। लोगों ने आरोप लगाया कि सरकार और प्रशासन ने समारोह की पर्याप्त तैयारी नहीं की थी। सबसे बड़ी विडंबना यह रही कि सड़क दुर्घटना में मासूम की मौत के बावजूद कार्यक्रम में संवेदनशीलता का अभाव दिखाई दिया।

मोह, क्रोध, लोभ, अहंकार से मुक्त होना है स्वतंत्रता : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, विल्सनगार्डन में रविवार को रक्षा बंधन पर प्रवचन देते हुए साध्वी आगमश्री ने कहा कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल बाहरी बंधनों से मुक्ति नहीं, बल्कि आत्मा को मोह, क्रोध, लोभ, अहंकार आदि बंधनों से मुक्त करना है। जैसे देश की स्वतंत्रता के लिए हमारे वीर सेनानियों ने बलिदान दिया, वैसे ही आत्मिक स्वतंत्रता के लिए साधक को अपने भीतर के विकारों का त्याग करना आवश्यक है। साध्वी धैर्याश्री ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल झंडा फहराने और उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि यह आत्मचिंतन का अवसर भी है।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ध्वजारोहण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युवा कांग्रेस बेंगलूरु दक्षिण के सचिव डी. रमेश कुमार उपस्थित थे।

दोपहर में बच्चों के लिए स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेताओं को संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा, अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली, मंत्री सज्जन बोहरा व प्रवीण कटारिया एवं विनोद पुंगलिया ने पुरस्कार प्रदान किए।

तेयुप हनुमंतनगर की नई कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर की नई कार्यकारिणी समिति की प्रथम बैठक अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा के अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन अभातेयुप के गौतम खाब्या ने किया। गत कार्यकारिणी बैठक का वाचन संगठन मंत्री प्रणव धारीवाल ने किया।

अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा ने सभी का स्वागत करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी । मंत्री देवेन्द्र आंचलिया ने सभी आयामों के प्रभारी व सह प्रभारी नियुक्त किया। बैठक में शांतिनाथ गांधी को 3 वर्ष के लिए एटीडीसी प्रभारी नियुक्त किया गया। अभातेयुप से सारसंभाल के अंतर्गत परिषद शाखा के प्रभारी विनोद मुथा, सरगम के राष्ट्रीय सह प्रभारी विशाल पितलिया, रोहित कोठारी ने नई टीम को बधाई दी। संचालन मंत्री देवेन्द्र आंचलिया ने किया।

अहंकार का त्याग ही मार्दव धर्म है : आचार्य प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन मे कहा की जिसका पता नहीं, उस पर अहंकार मत करो। अहंकार का त्याग ही मार्दव धर्म है। मनुष्य का जीवन हर समय एक जैसा नहीं रहता है। उन्होंने कहा कि जिसका अपने पास सदैव रहने का पता नहीं, उस पर अहंकार मत करना। जीवन में जो झुकता है, वही जीतता है। अकड़ने वाला हमेशा हारता है। यह जीवन क्षणभंगुर है। कब बुलावा आ जाए, कोई नहीं जानता, इसलिए अपने पद, ज्ञान, रूप, जाति, संपत्ति पर अहंकार नहीं करना चाहिए। उन्होंने बताया की व्यक्ति जितनी चिंता शरीर की करता है, उतनी शरीर के प्राण तत्व यानी आत्मा की नहीं करता। सभा में मुनिश्री महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी, साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी उपस्थित थे।

'जेवर एक्सपो व दि ब्राइडल स्टोरी' में विशेष मैट्रिमोनी मीट का आयोजन 6 सितम्बर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नॉर्थ चैप्टर एवं जीतो केकेजी ज़ोन के संयुक्त तत्वावधान में संपूर्ण जैन समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए 'हमसफर-एक खोज' नामक विशेष मैट्रिमोनी मीट का आयोजन 6 सितंबर में त्रिपुरा वासिनी पैलेस ग्राउंड्स में किया जाएगा,जिसकी औपचारिक घोषणा एवं प्रचार-प्रसार हेतु पोस्टर विमोचन समारोह जीतो कार्यालय में हुआ। इस मौके पर जीतो ज़ेवर एक्सपो व दि ब्राइडल स्टोरी के टाइटल स्पॉन्सर निर्मल ज्वेलर्स एवं पावर्ड बाय स्पॉन्सर ड्रेसकोड व जीता मुख्य विंग, लेडीज़ विंग, यूथ विंग के पदाधिकारियों ने पोस्टर का विमोचन किया।

इस मौके पर जीतो नॉर्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया ने कहा कि यह आयोजन केवल दो व्यक्तियों को नहीं, बल्कि दो परिवारों को जोड़ने की एक प्रेरक पहल साबित होगा। महामंत्री विजय सिंघवी ने समाज के सभी परिवारों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की। जीतो लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल आपसी संपर्क साधने, बल्कि सार्थक रिश्ते बनाने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करते हैं।

संयोजक अरुण नाहर व सहसंयोजक सुनील लोढ़ा ने गतिविधि आधारित कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। उन्होंने आगे बताया कि पंजीकरण प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इस अवसर पर जीतो मुख्य शाखा, महिला विंग व युवा शाखा के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

सूर्य मंदिर में कृष्णजन्माष्टमी पर्व मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज द्वारा आज शनिवार का जेपीनगर स्थित सूर्य मंदिर पर श्रीकृष्ण जन्म का पर्व जन्माष्टमी हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। भगवान कृष्ण की तस्वीर समक्ष समाज के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने दीपप्रज्वलन कर पूजा की। मंदिर परिसर में दही हांडी कार्यक्रम का आयोजन कर युवाओं ने कृष्ण जन्मोत्सव मनाया। महिलाओं ने मंगलगीत गाए। इस अवसर पर समाज के अनेक सदस्य बालक, महिला एवं पुरुष उपस्थित थे।

राजराजेश्वरीनगर में मासखमण तप की अनुमोदना पचरंगी तप द्वारा हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ सभा राजराजेश्वरीनगर में साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में मोनिका सुराणा के 31 दिनों के मासखमण तप की अनुमोदना का कार्यक्रम आयोजित किया गया। साध्वी पुण्ययशाजी ने कहा कि तप मोक्ष मार्ग की साधना का एक अंग है। तपस्या द्वारा जहां एक ओर आध्यात्मिक शक्तियों का जागरण होता है वहीं दूसरी और शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक स्वास्थ्य की भी प्राप्ति होती है।

तपस्या द्वारा कर्मों की महान निर्जरा होती है। मासखमण तप की अनुमोदना में 49 व्यक्तियों ने उपवास से लेकर सात दिन की तपस्या के प्रत्याख्यान किए। साध्वीश्री ने मोनिका सुराणा को 31वें दिन की तपस्या का प्रत्याख्यान करवाया। इस अवसर विजया बाफणा ने वर्धमान ओली तप की पांच लड़ी, बीस दिन के तप से संपन्न की। साध्वी विनितयशाजी, वर्धमानयशाजी व बोधिप्रभा जी ने सभी तपस्वियों का अनुमोदना की। मंगलाचरण एवं तप अनुमोदना गीत की प्रस्तुति तेरापंथी सभा एवं महिला मंडल की सदस्यों द्वारा दी गई। सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, तेयुप के अध्यक्ष विक्रम महेर, महिला मंडल की अध्यक्ष मंजु बोथरा, कमल सुराणा, अरुणा संचेती व सुमन पटावरी ने शुभकामनाएं दी। तीनों संस्थाओं द्वारा तपस्विनी का सम्मान किया गया। मंच का संचालन गुलाब बाँठिया ने किया।

'जेवर एक्सपो व दि ब्राइडल स्टोरी' में विशेष मैट्रिमोनी मीट का आयोजन 6 सितम्बर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो यूथ विंग साउथ ने जीतो सेंटर फॉर एक्सीलेंस (सी.एफ.ई) के तहत दो दिवसीय एक्सेल सह एआई टूल्स कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को उन्नत एक्सेल कौशलों के साथ-साथ नवीनतम एआई टूल्स के साथ सशक्त बनाना था। यूथ विंग के चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमाल ने सभी का स्वागत किया। विशेषज्ञ प्रशिक्षक सीए राहुल गांधी ने 41 प्रतिभागियों को एक्सेल और एआई-संचालित टूल्स के बारे में जानकारी दी । कार्यक्रम का समापन प्रमाणपत्र वितरण समारोह के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा, कोषाध्यक्ष यश जैन, प्रबंध समिति के सदस्य कृष मेहता, संयोजक रिद्धि मेहता और सहसंयोजक हर्ष जैन उपस्थित थे।

पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्वतंत्रता दिवस की 79वीं वर्षगांठ शुक्रवार को पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनायी गई और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से बारहवीं बार राष्ट्र को संबोधित किया। राष्ट्रीय राजधानी में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह लालकिले के प्रांगण में मनाया गया। श्री मोदी ने लालकिले की

प्राचीर पर श्री मोदी ने तिरंगा फहराया। इससे पहले वह राजधाट गए, जहां उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी और कहा, आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें। मेरी कामना है कि यह सुअवसर सभी देशवासियों के जीवन में नया जोश और नई स्फूर्ति लेकर आये, जिससे विकसित भारत के निर्माण को नई गति मिले। उन्होंने अपने संबोधन में अगली पीढ़ी के सुधारों की घोषणा करते हुए भारत दुनिया में बढ़ते आर्थिक स्वार्थ और वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को अपना हथियार बनायेगा। मोदी ने 140 करोड़ देशवासियों और सभी राजनीतिक दलों से एकजुट होकर 'समृद्ध भारत' को अपना मूल बनाने का आह्वान किया और कहा कि यह किसी एक व्यक्ति या दल का एजेन्डा नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय के जीवन का लक्ष्य होना चाहिए।

विश्व संस्कृति के महान आदर्श युगपुरुष थे श्रीकृष्ण : साध्वी अणिमाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी की निश्रा में साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि श्रीकृष्ण वासुदेव भारतीय संस्कृति एवं विश्व संस्कृति के महान आदर्श युगपुरुष थे। जब-जब अशांति, अन्याय, अत्याचार एवं अधर्म का साम्राज्य फैलता है, तब-तब भूमि पर महान आत्माएं अवतरित होते हैं। श्रीकृष्ण का जन्म भी अन्याय, अधर्म को खत्म कर धर्म को स्थापित करने के लिए हुआ था। अणिमाश्रीजी ने फरमाया कि साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि आज भगवान श्रीकृष्ण का जन्मदिन है।

वे कर्मयोगी व पुरुषार्थी थे, जिन्होंने अपनी हर क्षमता को उजागर किया। प्रश्नरप्रज्ञा है। साध्वीश्री कंचनकंवर जी ने कहा कि श्रीकृष्णजी ने जीवन का लक्ष्य भोग नहीं, योग बनाया। संसार नहीं, संयम बनाया, भौतिकता नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता को बनाया और परिणामस्वरूप वे आज पूज्यनीय है। इस अवसर पर प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि शनिवार को सभा में उपस्थित साध्वीश्री दिव्ययशाजी के सांसारिक परिवार के सदस्य एवं संघ के अध्यक्ष दीपचंद भंसाली, सुरेश गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष गणपत लोढ़ा आदि सदस्य उपस्थित थे। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में अनेक बच्चों ने भाग लिया। संघ द्वारा सभी बच्चों का सम्मान किया गया।

जीतो यूथ विंग ने आयोजित की एक्सेल सह एआई प्रशिक्षण कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो यूथ विंग साउथ ने जीतो सेंटर फॉर एक्सीलेंस (सी.एफ.ई) के तहत दो दिवसीय एक्सेल सह एआई टूल्स कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को उन्नत एक्सेल कौशलों के साथ-साथ नवीनतम एआई टूल्स के साथ सशक्त बनाना था। यूथ विंग के चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमाल ने सभी का स्वागत किया। विशेषज्ञ प्रशिक्षक सीए राहुल गांधी ने 41 प्रतिभागियों को एक्सेल और एआई-संचालित टूल्स के बारे में जानकारी दी । कार्यक्रम का समापन प्रमाणपत्र वितरण समारोह के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा, कोषाध्यक्ष यश जैन, प्रबंध समिति के सदस्य कृष मेहता, संयोजक रिद्धि मेहता और सहसंयोजक हर्ष जैन उपस्थित थे।

कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' बिहार में पार्टी की 'शवयात्रा' में बदलेगी: भाजपा नेता अश्विनी चौबे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

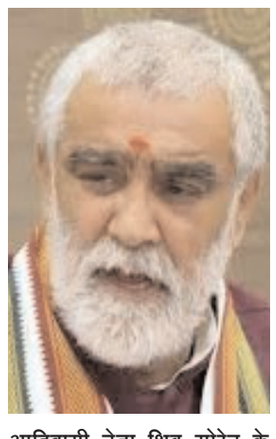

रांची/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने शनिवार को बिहार में कांग्रेस की प्रस्तावित 'वोटर अधिकार यात्रा' पर निशाना साधते हुए कहा कि यह जल्द ही पार्टी की 'शवयात्रा' में बदल जाएगी।

चौबे ने विश्वास जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में बहुमत के साथ अगली सरकार बनाएगा। चौबे ने झारखंड के रामगढ़ जिले में कहा, कांग्रेस के दिन अब लद गए हैं। प्रस्तावित यात्रा भविष्य में पार्टी की 'शवयात्रा' में बदल जाएगी।

कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि राहुल गांधी बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से लोगों के मताधिकार पर कथित हमले को उजागर करने के लिए रविवार को 'वोटर अधिकार यात्रा' की शुरुआत करेंगे। चौबे शनिवार को आदिवासी नेता शिबू सोरेन के श्राद्धकर्म में शामिल होने के लिए रामगढ़ जिले में उनके पैतृक गांव नेमरा पहुंचे। शिबू सोरेन (81) का दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था।

चौबे ने कहा, राजग पूर्ण बहुमत के साथ बिहार में अपनी सरकार बनाएगा। हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में दो-तिहाई बहुमत से चुनाव जीतेंगे। बिहार की 243 विधानसभा सीट के लिए चुनाव अक्टूबर-नवंबर में होने की उम्मीद है।

विश्व संस्कृति के महान आदर्श युगपुरुष थे श्रीकृष्ण : साध्वी अणिमाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी की निश्रा में साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि श्रीकृष्ण वासुदेव भारतीय संस्कृति एवं विश्व संस्कृति के महान आदर्श युगपुरुष थे। जब-जब अशांति, अन्याय, अत्याचार एवं अधर्म का साम्राज्य फैलता है, तब-तब भूमि पर महान आत्माएं अवतरित होते हैं। श्रीकृष्ण का जन्म भी अन्याय, अधर्म को खत्म कर धर्म को स्थापित करने के लिए हुआ था। अणिमाश्रीजी ने फरमाया कि साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि आज भगवान श्रीकृष्ण का जन्मदिन है।

वे कर्मयोगी व पुरुषार्थी थे, जिन्होंने अपनी हर क्षमता को उजागर किया। प्रश्नरप्रज्ञा है। साध्वीश्री कंचनकंवर जी ने कहा कि श्रीकृष्णजी ने जीवन का लक्ष्य भोग नहीं, योग बनाया। संसार नहीं, संयम बनाया, भौतिकता नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता को बनाया और परिणामस्वरूप वे आज पूज्यनीय है। इस अवसर पर प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि शनिवार को सभा में उपस्थित साध्वीश्री दिव्ययशाजी के सांसारिक परिवार के सदस्य एवं संघ के अध्यक्ष दीपचंद भंसाली, सुरेश गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष गणपत लोढ़ा आदि सदस्य उपस्थित थे। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में अनेक बच्चों ने भाग लिया। संघ द्वारा सभी बच्चों का सम्मान किया गया।

जीतो यूथ विंग ने आयोजित की एक्सेल सह एआई प्रशिक्षण कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो यूथ विंग साउथ ने जीतो सेंटर फॉर एक्सीलेंस (सी.एफ.ई) के तहत दो दिवसीय एक्सेल सह एआई टूल्स कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को उन्नत एक्सेल कौशलों के साथ-साथ नवीनतम एआई टूल्स के साथ सशक्त बनाना था। यूथ विंग के चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमाल ने सभी का स्वागत किया। विशेषज्ञ प्रशिक्षक सीए राहुल गांधी ने 41 प्रतिभागियों को एक्सेल और एआई-संचालित टूल्स के बारे में जानकारी दी । कार्यक्रम का समापन प्रमाणपत्र वितरण समारोह के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा, कोषाध्यक्ष यश जैन, प्रबंध समिति के सदस्य कृष मेहता, संयोजक रिद्धि मेहता और सहसंयोजक हर्ष जैन उपस्थित थे।

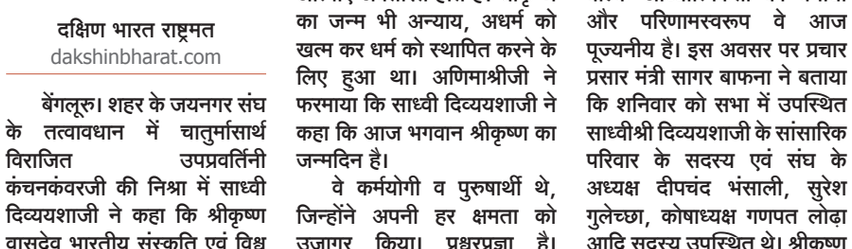

विश्व संस्कृति के महान आदर्श युगपुरुष थे श्रीकृष्ण : साध्वी अणिमाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी की निश्रा में साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि श्रीकृष्ण वासुदेव भारतीय संस्कृति एवं विश्व संस्कृति के महान आदर्श युगपुरुष थे। जब-जब अशांति, अन्याय, अत्याचार एवं अधर्म का साम्राज्य फैलता है, तब-तब भूमि पर महान आत्माएं अवतरित होते हैं। श्रीकृष्ण का जन्म भी अन्याय, अधर्म को खत्म कर धर्म को स्थापित करने के लिए हुआ था। अणिमाश्रीजी ने फरमाया कि साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि आज भगवान श्रीकृष्ण का जन्मदिन है।

वे कर्मयोगी व पुरुषार्थी थे, जिन्होंने अपनी हर क्षमता को उजागर किया। प्रश्नरप्रज्ञा है। साध्वीश्री कंचनकंवर जी ने कहा कि श्रीकृष्णजी ने जीवन का लक्ष्य भोग नहीं, योग बनाया। संसार नहीं, संयम बनाया, भौतिकता नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता को बनाया और परिणामस्वरूप वे आज पूज्यनीय है। इस अवसर पर प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि शनिवार को सभा में उपस्थित साध्वीश्री दिव्ययशाजी के सांसारिक परिवार के सदस्य एवं संघ के अध्यक्ष दीपचंद भंसाली, सुरेश गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष गणपत लोढ़ा आदि सदस्य उपस्थित थे। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में अनेक बच्चों ने भाग लिया। संघ द्वारा सभी बच्चों का सम्मान किया गया।

मन अच्छा है तो सब अच्छा है : संत ज्ञानमुनि

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संत ज्ञानमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि अच्छा बुरा समय सब भाग्य का ही खेल है। मुनिश्री ने जैन आगमों में मुख्य तीन योग बताते हुए मनो योग, काया और भाषा योग के बारे में बताया। मन अच्छा है तो सब अच्छा है। मन अच्छा नहीं है तो सब बेकार है। मन से ही कषाय उत्पन्न होता है। कषाय में क्रोध, माना, माया और लोभ आता है। सभी मूल पाप का कारण लोभ है। लोभ के कारण ही मनुष्य का कषाय बढ़ रहा है। मनुष्य को अपने पुरुषार्थ पर भरोसा रखना है, लेकिन पुरुषार्थ

करने के बजाय मनुष्य गलत मार्ग पर बढ़ रहा है। जब लिखा होगा तो जरूर मिलेगा और अगर लिखा नहीं होगा तो कुछ भी करने के बाद भी नहीं मिलेगा। अमीरी गरीबी सब कर्मों का खेल है। अगर गरीब हो तो गलत मार्ग पर बढ़ कर अमीर नहीं बना जा का सकता है। यह सब अपने पूर्व कर्मों का ही परिणाम है। संतश्री ने कहा कि आज जैसा समय है यह जरूरी नहीं कि कल भी वैसा ही रहेगा।

इसलिए अगर अच्छा समय है तो बुरे कर्म करने से बचें। अगर बुरा समय है तो भी अच्छा कर्म करते रहना चाहिए। पुण्यवान होने पर ही लोगों को दीक्षा लेने की भावना आती हैं। पुण्यवान मनुष्य ही कर्मों की निर्जरा कर भव को अच्छा बना सकता है। सभा में कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मुथा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

जीतो यूथ विंग ने आयोजित की एक्सेल सह एआई प्रशिक्षण कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो यूथ विंग साउथ ने जीतो सेंटर फॉर एक्सीलेंस (सी.एफ.ई) के तहत दो दिवसीय एक्सेल सह एआई टूल्स कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को उन्नत एक्सेल कौशलों के साथ-साथ नवीनतम एआई टूल्स के साथ सशक्त बनाना था। यूथ विंग के चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमाल ने सभी का स्वागत किया। विशेषज्ञ प्रशिक्षक सीए राहुल गांधी ने 41 प्रतिभागियों को एक्सेल और एआई-संचालित टूल्स के बारे में जानकारी दी । कार्यक्रम का समापन प्रमाणपत्र वितरण समारोह के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा, कोषाध्यक्ष यश जैन, प्रबंध समिति के सदस्य कृष मेहता, संयोजक रिद्धि मेहता और सहसंयोजक हर्ष जैन उपस्थित थे।

इंग्लैंड दौरे से अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने का सबक सीखा: करूण नायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के दौरान लगातार अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में विफल रहना करुण नायर के लिए निराशाजनक रहा लेकिन घरेलू क्रिकेट का यह स्टार बल्लेबाज राष्ट्रीय टीम के लिए अपने अगले मौके को बड़े स्कोर में तब्दील करने के लिए प्रतिबद्ध है।

घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगा कर लगभग आठ साल बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी करने वाले नायर ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी की आठ पारियों में 25.62 के औसत से 205 रन बनाये। उन्होंने इस दौरान इकलौता अर्धशतक (57 रन) द ओवल मैदान में जड़ा। नायर ने अर्धशतकीय पारी के अलावा 40, 31, 26 और 21 के स्कोर के साथ अच्छी शुरुआत की लेकिन वे इन पारियों को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे। इंग्लैंड के खिलाफ बड़ा स्कोर बनाने में विफल रहने के बारे में पूछे जाने पर नायर ने कहा, ऐसा कुछ (अच्छी शुरुआत के बाद विकेट गंवाना) नहीं था।

ऐसा नहीं था कि मैं कुछ साबित करने की कोशिश कर रहा था। आप जानते हैं, कभी-कभी ऐसा होता है कि आपको ज्यादातर मैचों में अच्छी शुरुआत मिलती है और फिर आप किसी तरह से आउट हो जाते हैं। यह बल्लेबाज हालांकि सुधार के लिए दृढ़ संकल्प है।

उन्होंने कहा, मैं पूरी श्रृंखला में बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था और ज्यादातर मैचों में मुझे अच्छी शुरुआत मिल रही थी। मैं 30 और 40 के स्कोर तक पहुंच रहा था लेकिन इसे बड़े स्कोर में नहीं बदल पा रहा था। यह मेरे लिए किसी और से ज्यादा निराशाजनक था।

सुविचार

सपने सच करने के लिए पहले सपने देखना पड़ता है।

ट्वीट

राजस्थान सरकार में मेरे सहयोगी, कैबिनेट मंत्री श्री कन्हैयालाल चौधरी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि आपको दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें और जनसेवा व विकास के आपके सभी संकल्प सिद्ध हों।

-भजनलाल शर्मा

बेंगलुरु में हुए अग्निकांड की दुःखद दुर्घटना में भीनमाल (जालोर) के नागरिकों के असामयिक निधन का समाचार अत्यंत हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

-दीया कुमारी

कहानी

वनमाली

आदमी और कुत्ता

मैं आपके सामने अपने एक रेल के सफर का बयान पेश कर रहा हूँ। यह बयान इसीलिए है कि सफर में मेरे साथ जो घटना घटी उसका कभी आप अपने जीवन में सामना करें तो आप अपनी किंकर्तव्यविमूढ़ता झिटककर अपने भीतर बैठे आदमी के साथ उचित न्याय कर सकें। सो जिस दिन का यह जिक्र है उस दिन गाड़ी में खूब भीड़ थी। अब तो गाड़ियों को खूब खचाखच भरी आने का एक रोग हो गया है। इसीलिए भले लोग सफर करने के पहले गाड़ी में अपने लिए बर्थ रिजर्व करा लेते हैं। पैसे देकर सीट प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन मैं बर्थ रिजर्व करा नहीं पाया था और लेने देने के पचड़े का मुझे अभ्यास नहीं था। ऐसी परिस्थिति में बड़ी परेशानी उठाकर मैं चार बर्थ वाले थर्ड क्लास के एक छोटे डिब्बे में अपने को टेकने भर के लिए जैसे तैसे स्थान प्राप्त कर सका।

डिब्बे में चारों तरफ मैंने नजर घुमाई तो उसमें मुझे आदमियों से असबाब ही अधिक दिखायी दिया। लकड़ी के खोखे, टीन के बक्स, बांस के बेडौल टिपारे और कई थैलियों ने बाकायदा तीन बर्थों पर ऊपर नीचे मजे की एक नुमाइश लगा रखी थी। मेरे मन में थोड़ी झुँझलाहट हो आई। मैंने कहा, यह भी एक ही रही। आदमियों के लिए यह डिब्बा ठहरा। लेकिन क्या यह असबाब भी अपने को कोई आदमी समझता है जो इसने इतनी सारी जगह पर बड़ी हिमाकत से कब्जा कर रखा है? जैसे इसके सामने नाचीज आदमी का कोई अस्तित्व ही नहीं। दुनिया में आदमी को आदमी नहीं प्यारा है, अपना असबाब प्यारा है, वह डिब्बा जैसे इस बात का खूब स्पष्टता से पुकार-पुकार कर प्रचार करता-सा लगा। जब गाड़ी खुल गई और लोग दब-मुंद कर जहाँ-तहाँ बैठ गए तब मैंने अपने पास बैठे सहयात्री से पूछा – क्यों भाई इतना सारा सामान किसका है?

सहयात्री ने मुझे बताया – 'उन सिंधियों का है बाबूजी।' और उसने मुझे पहिचनवाने के लिए अपनी अंगुली दूसरी बर्थ पर बैठे हुए दो-तीन आदमियों की ओर घुमा दी। उसी यात्री ने आगे मुझे बताया – 'मैं नागपुर से इनके साथ आ रहा हूँ बाबूजी। वहाँ एक सिपाही इनके साथ आकर सवारियों को हटाकर इनका सामान रखवा गया।' मुझे किस्सा दिलचस्प लगा और मैंने उसके सूत्र को यहीं नहीं टूट जाने दिया। मैं सिंधियों की ओर मुखातिब हुआ।

मैंने पूछा – 'क्यों भाई, इतना सारा क्या सामान है?'

एक जरा अधेड़ उमर का सिंधी बोला – 'यही बाबूजी कुछ कपड़ा और मनिहारी का सामान है। हम शरणार्थी लोग हैं। हमारा सब तो पाकिस्तान में छूट गया। अब कुछ रोजगार कर बाल बच्चों का पेट पाल लेते हैं।' मैंने जवाब दिया – 'मैं कहाँ तुम्हें अपने बाल-बच्चों के पेट पालने से रोकता हूँ! लेकिन यह तो आदमियों का डिब्बा है। ये बक्स और खोखे और थैले तुम्हें असबाब के डिब्बे में बुक करने थे।' वही अधेड़ सिंधी बोला – 'बाबू साब, इन्हें आदमियों के दर्जे में लाने के लिए हमने दस रुपये खर्च किए हैं।' बात इस तीखे ढंग से कही गई कि उसका स्वाद मुझे जरा नमकीन लगा।

मैंने पूछा – 'तुम्हारा मतलब?'

सिंधी बताने लगा – 'बाबू साब, पाँच रुपये मैंने टिकट चैकर को दिए जिसने हमें ये सामान प्लेट फार्म के भीतर लाने दिया। तीन रुपये हमने पुलिस वाले को दिए जिसने आकर सामान डिब्बे में लदवाया और दो रुपये हमने कुली को सामान ढोने के दिए।'

इसी दौरान एक टिकट-चेकर हमारे डिब्बे में आ पहुँचा। उसने भी सामान पर अपनी नजर घुमाई और पैसिंजरों की मुसीबत को भाँपा। पैसिंजरों के टिकट चैक करने के बाद उसका प्रश्न हुआ 'यह किसका सामान है?'

वही अधेड़ सिंधी बोला – 'हमारा है हुजूर।'

टिकिट-चेकर छूटते ही कहने लगा – 'तुम सिंधी लोग बड़ा खराब आदमी है। सरकार की मेहरबानी का गैर-वाजिब फायदा उठाता है? इतना सारा सामान गाड़ी में काहे लाद लिया। देखता नहीं, पैसिंजरों को तकलीफ होती है। तुम्हारे पास इस सामान का टिकट है?'

सिंधी इस प्रश्न के लिए जैसे पहिले ही तैयार था। वह न मालूम कितनी बार दोहराया हुआ अपना वही पहाड़ा पढ़ने लगा – 'हम शरणार्थी लोग हैं – हमारा सब तो पाकिस्तान में छूट गया। हम आपकी दया पर पेट पालते हैं। लीजिए सिगरेट पीजिए।' और सिंधी ने कैंची सिगरेट का एक नया पैकेट अपनी जेब से निकाल कर टिकट-चेकर साहब के हाथ में थमा दिया।

टिकट-चेकर ने सिगरेट का पैकेट लेते हुए और उसे अपने पास की माचिस से जलाते हुए पूछा – 'सिगरेट नहीं, हम टिकट माँगता है। बताओ टिकट है?' सिंधी बोला – 'नहीं है हुजूर।' 'तो बोलो कितना मन सामान है? हम रसीद बनाएगा।' और टिकट-चेकर ने अपनी जेब से रसीद बुक निकाल ली।

'दो मन होगा हुजूर।''नहीं तुम झूठ बोलता है। ठीक-ठीक बताओ।''तो तीन मन होगा हुजूर।''नहीं ज्यादा है। ईमान से बोलो।''तो फिर हुजूर, जितना समझते हों उतना लगा लें। हुजूर माई-बाप हैं।''माई-बाप क्या। बे-टिकिट सामान लाता है और महसूल भी देना नहीं चाहता। गाड़ी तुम्हारे बाप का है?'सिंधी चुप।'बोलो। तुम ठीक-ठीक बोलो। कितना मन सामान होने सकता है? हम तुम्हारी बात का ऐतबार करेगा। तुम पर अन्याय नहीं करेगा।'सिंधी न मालूम क्यों फिर भी चुप ही टिकट-चेकर के सामने खड़ा रहा।

इसी बातचीत के दरम्यान गाड़ी एक दूसरे स्टेशन पर आकर रुकी। सिंधी और टिकट-चैकर डिब्बे से उतर कर नीचे प्लेटफार्म पर चले गए।

कुछ देर बाद गाड़ी चलने के पहिले, जब सिंधी वापस डिब्बे में लौट आया तब मैंने पूछा – 'क्यों सांई क्या हुआ।'

सिंधी बोला – 'होता क्या बाबू साहब। आदमी तो कुत्ता है। रोटी का टुकड़ा डाल दिया और उसका भोंकना बंद।'

सिंधी की बात ने मुझे बहुत गहरे तक चीर दिया। मैंने सोचा, यह सिंधी जो अपने स्वार्थ में दबकर अभी उस टिकट-चैकर से हुजूर-हुजूर कर रहा था और पूँछ हिला रहा था, क्या उतना ही बड़ा कुत्ता नहीं है जितना कि वह टिकट-चैकर। रोग अपने भीतर है और आदमी अपनी आँखों पर पट्टी बाँधकर उसके कारण दूसरों में खोजता फिरता है। तब उसका इलाज उसे कहाँ मिले।

मैंने सिंधी से आगे सवाल किया – 'क्यों सांई, यह बाजी तो तुमने मार ली। अब जहाँ तुम उतरोगे वहाँ कैसे बच पाओगे।'

सिंधी के पास जैसे इस सवाल का भी जवाब मौजूद था। वह चट से बोला – 'वहाँ मेरी एक टिकट-चैकर से दोस्ती है वह जब-तब मेरी दुकान पर आता है तो जो सामान ले जाता है उसके पैसे नहीं देता।'

मैंने जैसे एकाएक दूसरे ही ढंग का सिंधी से प्रश्न कर दिया – 'क्यों सांई, क्या यह अच्छा न हो कि तुम आदमी को कुत्ता न समझो और टिकट लो और ईमानदारी बरतो।'

मेरी इस बात पर वह सिंधी जैसे तन कर खड़ा हो गया और बोला – 'बाबू साहब, भला बताओ कौन आदमी आज ईमानदार है। आप जिसे कहो उसे मैं रिश्वत खिला कर बता दूँ। फिर यह तो बिजनेस है। दुबका-चोरी से दो पैसे हम महसूल में बचा लेते हैं तो दो पैसे सस्ता माल भी तो हम ग्राहकों को बेचते हैं। बताओ इसमें हम क्या बेईमानी करते हैं।' मैंने सिंधी की बात का कोई जवाब नहीं दिया। जवाब देना नहीं चाहा। क्योंकि जिसने अपनी सफाई के लिए ऐसी मजबूत चौहद्दी बाँध रक्खी थी उसे जल्दी तोड़ना सरल भी तो नहीं था। मैंने सिर्फ इतना ही कहा – 'सांई, आदमी जब कुत्ता है तब वह ईमानदारी और बेईमानी क्या समझेगा।'

मालूम नहीं सिंधी मेरी बात समझा भी या नहीं। वह चुप होकर अपनी जगह पर बैठ गया। लेकिन मुझे अपने जवाब से ही संतोष नहीं हुआ। मैंने सिंधी पर करारा व्यंग्य किया। मगर उस व्यंग्य की गिरफ्त में मैं स्वयं ही फँस गया। मैं आदमियत का हामी था तो क्या मुझे सिंधी को कुत्ता बनाकर ही शांत हो जाना चाहिए था। यह कैसा भयानक विश्वास है जो आदमी को कुत्ता समझने को मजबूर करता है। मुझे सिंधी के इस विश्वास को तोड़ना चाहिए था और बताना चाहिए था कि यह आदमी की हार है। असलियत तो यह हो ही नहीं सकती। स्वार्थ से दबकर पूँछ हिलाना आदमी को नहीं सोहता।

उससे लड़ने और उस पर काबू पाने में ही सच्ची इनसानियत है। मुझे सिंधी को समझाना चाहिए था कि वह टिकट चैकर से जाकर कहे – 'नहीं मैं रिश्वत नहीं दूँगा। मैंने जुर्म किया है तो मुझे दंड मिले। मैं दंड के लिए तैयार हूँ।

तभी गाड़ी एक तीसरे स्टेशन पर आकर खड़ी हो गई। मैं अपनी सीट से एकाएक उठ आकर सिंधी के पास पहुँचा और बोला – 'सांई, तुम गलती पर हो। आदमी कुत्ता नहीं है। जरा तुम मेरे साथ आओ तो।' मैं तब सिंधी को साथ लेकर डिब्बे से उतरकर प्लेट फार्म पर उसी टिकट चैकर की खोज करने लगा। जब वह मिला तब मैंने पास बुलाकर उससे कहा – 'देखिए इस सिंधी ने जितने दाम आपको दिए हैं उसमें बाकी जो हो मुझसे लेकर आप पूरे सामान से महसूल की एक रसीद तो बना दीजिए।'

टिकिट चैकर साहब मेरी बात सुनकर पहिले जरा सन्नाटे में आ गए। फिर जरा हँसकर बोले – 'बाबू तुम पागल हुआ है। यह तो रोज का किस्सा है। यह लाला लोग मेहरबानी चाहता है और तुम जानता है कि मेहरबानी मुफ्त में नहीं बँटता। मैंने जवाब दिया – 'मैं इसी रोज के किस्से को तोड़ने आया हूँ। मैं तो आपसे मेहरबानी नहीं माँगता। महसूल की रसीद माँगता हूँ। जरा जल्दी कीजिए तो।'

तब सिंधी बोला – 'बाबू साहब मेहरबानी के एवज में मैंने इन्हें पाँच रुपये दिए हैं।' मैंने टिकट चैकर से कहा – 'लीजिए जरा जल्दी रसीद बुक निकालिए और रसीद बनाइए।' टिकट चैकर साहब ने तब बाकी पैसे मुझसे लेकर पूरे पाँच मन सामान की रसीद बना दी और मैं उसे लेकर सिंधी के साथ अपने डिब्बे में वापिस चला आया। सिंधी बोला – 'बाबू साहब तुम तो महात्मा हो।'

मैंने जवाब दिया – 'नहीं सांई, महात्मा नहीं, लेकिन कुत्ता भी नहीं। सिर्फ आदमी हूँ। मैंने तुम्हारे दस-दस साल के बच्चों को रातों में रेल के डिब्बों में गले में टोकनी बांधे चने बेचते देखा है। कुत्ता ऐसा नहीं करता। तुममें आदमी की मेहनत है। तब तुम आदमी के सम्मान को अपने स्वार्थ के लिए क्यों खोते हो?'

मेरी बात जैसे उस अधेड़ सिंधी व उसके साथियों को लगी। वे मेरे मुँह को टुकुर-टुकुर ताकने लगे और आपस में अपनी भाषा में न जाने क्या बतराने लगे।

थोड़ी देर बाद उसी सिंधी ने अपनी सफाई दी – 'बाबू साब, आपका कहना सही है। लेकिन यह पापी पेट सब कराता है। बिजनेस क्या ईमानदारी को लेकर हो सकती है?'

मैंने सिंधी को समझाने की कोशिश की – 'सांई तुम उस टिकट-चैकर से जाकर पूछो तो वह भी इसी पापी पेट की दुहाई देगा। यह पापी पेट इतने आगे है कि इससे आँखें नहीं चुराई जा सकतीं। पेट तो कुत्ता भी भरता है। किंतु इसलिए तुम्हें यदि कोई कुत्ता कहे तो क्या उसे गाली नहीं समझोगे? और वह गाली क्या तुम्हें नहीं लगेगी? देखो जैसे जहर की दवाई जहर है और काँटा काँटे से ही निकाला जाता है वैसे ही आदमी को ऊँचा समझो और स्वयं ऊँचे बनो। आदमी को कुत्ता समझने और स्वयं को कुत्ता बनाने से कुछ नहीं होने का।'

अबकी बार मेरा स्टेशन आ गया और मैं अपना सूटकेस और होल्डआल लिए डिब्बे से उतरने लगा। तभी उस अधेड़ सिंधी ने मुझे टोका – 'बाबू साहब, ये अपने पैसे तो लेते जाइए।' मैं चकराया – 'कैसे पैसे।' सिंधी ने बताया 'हमारे सामान का जो महसूल आपने दिया वह क्या मुझे आपको नहीं लौटाना चाहिए?' मेरा चित्त प्रसन्नता से भर गया।

मैंने हँसकर कहा – 'सांई, तुम शरणार्थी लोग हो और हमारी दया पर दावा रखते हो। तुम पैसे रखो। मैं नहीं लूँगा। पर देखो अब कभी तुम आदमी को कुत्ता मत समझना। अच्छा नमस्ते।' मैं जब डिब्बे से उतरने लगा तब सिंधी ने जबर्दस्ती मेरे कोट की जेब में पैसे ठूँसते हुए कहा – 'बाबू साब आप ही ने अभी कहा था कि हम सिंधियों में आदमी की मेहनत है। तब फिर हमें अपने सम्मान की रक्षा तो करने दो।' और वह हाथ जोड़कर मेरे सामने खड़ा रहा। मेरी आँखों में आँसू छलछला आए और मैंने झट अपने हाथ की अटैची और होल्डाल को वहीं दरवाजे पर पटककर सिंधी को अपनी छाती से लगा लिया। मेरे रेल के सफर का बयान खतम हुआ। आप शायद यह गलतफहमी कर लें कि यह मनगढ़ंत मैंने अपनी अच्छाई का प्रचार करने के लिए की है। सो इस कारण मैं अपना यह फर्ज समझता हूँ कि आपको आगाह कर दूँ कि यह अच्छाई मेरी ही नहीं, आपकी सबकी है। सबके अंदर यह हलकी हलकी बिखरी हुई तैरती है। जरूरत है एक निश्चय की जो उसे संयोजित करके आदमी को कार्य के लिए बेचैन कर दे। मेरा भाग्य कि एक ऐसा ही कठिन निश्चय मुझे अपनी जिंदगी में हाथ लगा और मैं अपनी कल्पना को सही यथार्थ में बदल सका। (भारती, 1951)

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शिवोऽहम्....(5)

आत्मषटकम पर मनन-चिंतन की प्रक्रिया में आज पाँचवें श्लोक पर विचार करेंगे। अपने परिचय के क्रम में अगला आयाम आदिगुरु शंकराचार्य कुछ यूँ रखते हैं,

न मे मृत्युशंका न मे जातिभेद:
पिता नैव मे नैव माता न जन्म:
न बंधुर्न मित्रं गुरुर्नैव शिष्यं
चिदानन्दरूप: शिवोऽहम शिवोऽहम ।।

इसका शाब्दिक अर्थ है कि न मुझे मृत्यु का भय है, न मुझमें जाति का कोई भेद है। न मेरा कोई पिता है, न कोई माता है, न ही मेरा जन्म हुआ है। न मेरा कोई भाई है, न कोई मित्र, न कोई गुरु है और न ही कोई शिष्य। मैं चैतन्य रूप हूँ, आनंद हूँ, शिव हूँ, शिव हूँ।

मृत्यु के संदर्भ में देखें तो शंकराचार्य जी महाराज के कथन से स्पष्ट है कि देह छूटना आशंका नहीं होना चाहिए। यों भी यात्रा में पड़ाव आशंका नहीं हो सकता। यात्रा तो परमात्मा के अंश की है, यात्रा आत्मा की है। यात्रा के सनातन और यात्री के शाश्वत होने का प्रसंग आए और योगेश्वर उवाच, स्मृति में न आए, यह संभव ही नहीं। भगवान गीतोपदेश में कहते हैं,

न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे।।

आत्मा का किसी भी काल में न जन्म होता है और न ही मृत्यु। यह पूर्व न होकर, पुनः न रहनेवाला भी नहीं है। आत्मा अजन्मा, नित्य, शाश्वत और पुरातन है, शरीर के नाश होने पर भी इसका नाश नहीं होता।

मैं मृत्यु नहीं हूँ, अत: स्वाभाविक है कि जन्म भी नहीं हूँ। जो कभी जन्मा ही नहीं, वह मरेगा कैसे? जो कभी मरा ही नहीं, वह जन्मेगा कैसे?..ओशो की समाधि पर लिखा है, 'नेवर बॉर्न, नेवर डाइड, ऑनली विज़िटेड दिस प्लानेट अर्थ बिटविन....' उन्होंने न कभी जन्म लिया, न उनकी कभी मृत्यु हुई। वे केवल फलां तिथि से फलां तिथि तक सौरग्रह धरती पर रहे।'

विचार करें तो बस यही अवस्था न्यूनाधिक हर जीवात्मा की है। स्पष्ट है कि केवल जन्म और मृत्यु तक सीमित रखकर जीवन नहीं देखा जा सकता।

पिता न होना अर्थात किसीके जन्म का कारक न बनना और माता न होना अर्थात किसीको जन्म देने का कारण न होना। जन्म से मृत्यु तक जीवात्मा द्वारा देह धारण करने का कारण और कारक परमात्मा ही हैं। प्राप्त देह, यात्रा की निमित्त मात्र है।

न मार्ग का दर्शन, न मार्ग का अनुसरण.., न गुरु होना, न शिष्य होना। बंधु, मित्र न होना, रक्त का या परिचय का सम्बंध न होना। जगत के सम्बंधों तक सीमित नहीं है अस्तित्व। माता, पिता, गुरु, शिष्य, बंधु, मित्र इहलोक के नश्वर सम्बंध हैं जबकि जीवात्मा ईश्वर का आंशिक अवतरण है।

जातिभेद का उल्लेख करते हुए आदिगुरु स्पष्ट करते हैं कि मैं न कुलविशेष तक सीमित हूँ, न ही वंशविशेष हूँ। 'ईश्वरः सर्वभूतानां हृद्देशेऽर्जुन तिष्ठति।' ...जाति का एक अर्थ उत्पत्ति भी है। जीवात्मा उत्पत्ति और विनाश से परे है।

जीवात्मा अपरिमेय संभावना है जिसे देह और मर्त्यलोक की आशंका तक सीमित कर हम अपने अस्तित्व को भूल रहे हैं। अपनी एक रचना स्मरण आ रही है,

संभावना क्षीण थी, आशंका घोर,
बायीं ओर से उठाकर, आशंका के सारे शून्य
धर दिये संभावना के दाहिनी ओर..,
गणना की संभावना खो गई,
संभावना अपरिमेय हो गई..!

मनुष्य अपने अस्तित्व की अपरिमेय संभावनाओं को पढ़ने लगे तो कह उठेगा,..'मैं चैतन्य रूप हूँ, आनंद हूँ, शिव हूँ, शिव हूँ,...शिवोऽहम।'

बोध कथा

भैंस के बदले मुर्गा

पाटिल ग़रीब आदमी था, पर उसकी पत्नी उसे बहुत चाहती थी। उनके पास दो भैंसें थीं। उम्र के साथ-साथ उनकी ग़रीबी भी बढ़ती गई। एक दिन पाटिल की पत्नी ने उससे कहा, एक भैंस को हाट में बेच दें तो कैसा रहे? हाथ में कुछ पैसा आ जाएगा। अगले दिन सुबह पाटिल पास के गाँव की हाट में भैंस बेचने के लिए चल पड़ा। रास्ते में उसे एक आदमी मिला जो अपना घोड़ा बेचने के लिए उसी हाट में जा रहा था। पाटिल ने उसे बताया कि वह अपनी भैंस बेचने जा रहा है। उस आदमी ने भैंस को एक नज़र देखा। बोला, इसके लिए इतनी दूर जाने की क्या ज़रूरत है? भैंस मुझे दे दो और मेरा घोड़ा ले लो। पाटिल ने सोचा, ठीक तो है! घोड़े की सार-संभाल में कम झंझट है। बच्चे सवारी भी कर सकेंगे। सो उसने घोड़े से भैंस की अदला-बदली कर ली।

घोड़े पर बैठकर वह उसे हाट की ओर ले जाने लगा तो उसे पता चला कि घोड़ा अंधा है। थोड़ा आगे उसे एक आदमी मिला जिसके पास एक गाय थी। बाबा, घोड़े को लेकर कहाँ जा रहे हो? मैं अपनी बूढ़ी भैंस को बेचने हाट जा रहा था, पर मैंने घोड़े से उसकी अदला-बदली कर ली। लेकिन यह अंधा है। मेरी गाय बहुत सीधी है। ख़ूब दूध देती है। चाहो तो यह ले लो और मुझे घोड़ा दे दो। मुझे घोड़े की ज़रूरत भी है।

पाटिल को गाय देखने-भालने में अच्छी लगी। गाय की देखभाल घोड़े से आसान है। वह अदला-बदली के लिए राज़ी हो गया। पर यह पता चलने में उसे अधिक देर नहीं लगी कि गाय एक पाँव से लंगड़ी है। थोड़ी देर बाद उसे बकरी को ले जाता एक आदमी मिला। उसने पाटिल से पूछा कि वह कहाँ जा रहा है तो उसने कहा, मैं हाट में भैंस बेचने जा रहा था। रास्ते में मैंने उसे अंधे घोड़े से बदल लिया। उस घोड़े के बदले अब मेरे पास यह लंगड़ी गाय है। मुझे इसे बेचना होगा।

बेचने की क्या ज़रूरत है? मुझे गाय चाहिए। तुम मेरी बकरी ले लो और गाय मुझे दे दो। उस आदमी ने कहा। पाटिल ने बकरी को हाँका तो उसने देखा कि वह बीमार है। वह हाट में पहुँचा तो उसने बगल में मुर्ग़ा दबाए एक आदमी को देखा। पाटिल ने उसे बकरी देकर मुर्ग़ा ले लिया। अब तक दोपहर हो गई थी। पाटिल के पेट में चूहे कूदने लगे। पर उसकी अंटी में एक भी पैसा नहीं था। सो उसने एक रुपए में मुर्ग़े को हाट में बेच दिया। उस रुपए से उसने खाना ख़रीदा और तालाब में हाथ-मुँह धोकर पीपल के नीचे खाने बैठा। उसने पहला कौर तोड़ा और उसे मुँह में डालने जा ही जा रहा था कि जाने कहाँ से लीर-लीर कपड़े पहने एक भिखारी आया और बोला, कई दिनों से मैंने एक दाना भी नहीं खाया। एक रोटी दे दो। बड़ी दया होगी। पाटिल पसीज गया। भिखारी भूखा रहे और वह ठूँस-ठूँसकर खाए यह उससे नहीं होगा। उसने खाने की पूरी पत्तल भिखारी को दे दी और घर लौट आया। उसकी पत्नी उसकी राह देख रही थी। वह घर पहुँचा तब तक पत्नी बच्चों को खिला-पिलाकर फारिग हो गई थी। उसने पति से पूछा, हो आए? भैंस कितने में बिकी? क्या बात है, तुम्हारा मुँह क्यों उतरा हुआ है?

पाटिल ने कहा, बताता हूँ, ज़रा दम तो लेने दो! पत्नी ने उसे पानी पिलाया। पानी पीकर पाटिल ने कहना शुरू किया, मैंने भैंस को बेचा नहीं। उसके बदले एक घोड़ा ले लिया। अच्छा किया। कहाँ है वह? बच्चो, देखो, तुम्हारे बापू घोड़ा लाए हैं। ठहरो! घोड़ा नहीं है। उसके बदले मैंने गाय ले ली। यह तो और भी अच्छा है। कब से मेरी गाय की साध थी। बच्चों की गाय बच्चो, बाहर जाकर देखो, तुम्हारे बापू गाय लाए हैं।

वीर गाथा

भारत मां के लिए जान भी कुर्बान, दिलवर खान ने दिया कश्मीर में बलिदान

नायक दिलवर खान का जन्म मार्च 1996 में हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले की बंगाणा तहसील के घरवासड़ा गांव में हुआ था। माता भोलन बीबी और पिता करमदीन के बेटे दिलवर को बचपन से ही भारतीय सशस्त्र बलों से बहुत लगाव था। वे सैनिक बनकर देश की सेवा करना चाहते थे।

वे अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद दिसंबर 2014 में सेना में भर्ती हुए थे। उन्हें आर्टिलरी रेजिमेंट में शामिल किया गया था। दिलवर खान को कुछ साल बाद 28 राष्ट्रीय राइफल्स में भेज दिया गया। वे जुलाई 2024 में कश्मीर घाटी के कुपवाड़ा जिले में तैनात थे। वहां आतंकवादियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा था।

नायक दिलवर खान 23 जुलाई की देर रात कुपवाड़ा जिले की लोलाब घाटी के घने जंगलों में एक अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। उन्हें दो आतंकवादी नजर आए, जो भारी हथियारों से लैस थे।अचानक आतंकवादियों ने जवानों की ओर गोलीबारी कर दी, जिसका जोरदार जवाब दिया गया। अपने साथी जवानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिलवर खान भीषण गोलीबारी के बीच आगे बढ़े। उन्होंने आतंकवादियों के नजदीक जाकर उन पर धावा बोला। इस दौरान दिलवर खान गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन आतंकवादियों पर दबाव बनाए रखा। उन्होंने बहुत बड़े खतरे का सामना करते हुए बिल्कुल नजदीक जाकर गोली चलाई और एक आतंकवादी को ढेर कर दिया। इसके बाद दिलवर खान शहीद हो गए।

नायक दिलवर खान ने जिस तरह अदम्य साहस और अद्वितीय वीरता का प्रदर्शन किया, उस पर देश को गर्व है। भारत मां के इस बलिदानी पुत्र को 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

देश के योद्धाओं को किया नमन, महाप्रबंधक ने गिनाईं उपलब्धियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के महाप्रबंधक मुकुल शरण माथुर ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यहां दपरे मुख्यालय रेल सौधा में तिरंगा फहराया। उन्होंने कहा कि दपरे ने इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में कहा कि दपरे भारतीय रेलवे में सबसे सुरक्षित क्षेत्रों में से एक बना हुआ है, जहां जनवरी 2025 से शून्य परिणामी रेल दुर्घटना या एसपीएडी मामले हैं। उन्होंने कहा कि दपरे में बुनियादी ढांचे का विकास तेज़ी से हो रहा है। जनवरी 2025 तक, 53 किलोमीटर रेल लाइनें चालू हो चुकी हैं और 94 ट्रैक किलोमीटर का विद्युतीकरण किया जा चुका है। इससे विद्युतीकृत मार्ग बढ़कर 3,303 रूट किलोमीटर हो गया है, जो नेटवर्क को 89 प्रतिशत कवर करता है। परिचालन दक्षता में 89 प्रतिशत समय पाबंदी, बेंगलूरु-जोलारपेट्टई के बीच 130 किमी प्रति घंटे का स्पीड अपग्रेड और ट्रैक रिन्यूअल में 1,015 करोड़ रुपए के निवेश के साथ वृद्धि हुई है।

महाप्रबंधक ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 53 स्टेशनों पर कार्य प्रगति पर है, जहां आधुनिक सुविधाएं, लिफ्ट, एस्केलेटर और स्मार्ट नेविगेशन गाइड उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि 102 स्टेशनों पर सीसीटीवी निगरानी के साथ सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है, मादक पदार्थों के 94 मामले पकड़े गए तथा 466 से अधिक लोगों को तस्करी से बचाया गया। बुनियादी ढांचे के विकास में 53 किलोमीटर नई लाइनें, 94 किलोमीटर ट्रैक का विद्युतीकरण और 3,500 करोड़ रुपए से ज्यादा लागत की दो प्रमुख दोहरीकरण परियोजनाओं को मंजूरी शामिल है। दपरे ने खेलों में भी शानदार प्रदर्शन किया। उसने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीते। ये उपलब्धियां दपरे कार्यबल के सामूहिक प्रयासों और परिचालन उत्कृष्टता, यात्री सुविधाओं और राष्ट्र निर्माण के लिए उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

इस अवसर पर अतिरिक्त महाप्रबंधक केएस जैन, दपरे के प्रमुख विभागाध्यक्ष, मुख्यालय एवं हुब्बल्ली मंडल के वरिष्ठ अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद थे।

'दपरे' के बेंगलूरु मंडल ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के बेंगलूरु मंडल ने यहां रेलवे ग्राउंड में उत्साह के साथ 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड का निरीक्षण किया, जिसमें आरपीएफ, छात्र, स्काउट एवं गाइड और अन्य विभिन्न टुकड़ियां शामिल थीं। समारोह में स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा।

आशुतोष कुमार सिंह ने अपने संबोधन में दपरे महाप्रबंधक का संदेश पढ़ा। उन्होंने कहा दपरे ने जनवरी से जुलाई 2025 के आखिर तक 29.55 मिलियन टन माल लदान किया, जिससे 3,056 करोड़ रुपए का राजस्व पैदा हुआ। वर्ष 2025 के पहले सात महीनों में कुल मूल राजस्व 5,468 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। दपरे ने यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए 8 नई ट्रेनें शुरू कीं, 24 ट्रेनों का विस्तार किया, 232 विशेष ट्रेनें चलाईं और कुल 1,153 कोच बढ़ाए हैं। इसके बाद 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मंडल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया, प्रवीण कटारकी, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्रेयांस चिंचवाड़े, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी उमा शर्मा, एसडब्ल्यूआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ-बेंगलूरु मंडल की अध्यक्ष रीना सिंह, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिजन, दपरे महिला कल्याण संगठन के प्रतिनिधि, ट्रेड यूनियनों और अन्य एसोसिएशनों के सदस्य मौजूद थे।

राज्यपाल गहलोत ने स्वतंत्रता दिवस पर एकता, प्रगति और राष्ट्र की सेवा का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजभवन के प्रांगण में तिरंगा फहराया और महात्मा गांधी तथा डॉ. अंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्य सुरक्षा अधिकारी एसीपी निंगारेड्डी के नेतृत्व में पुलिस दल द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राज्यपाल ने सबको स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए महान और समृद्ध भारत के निर्माण तथा मातृभूमि की सेवा के लिए प्रतिबद्धता के साथ संकल्प लेने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा, 'यह दिन हमारे स्वतंत्रता संग्राम के महान नायकों के अदम्य साहस, बलिदान और निस्वार्थता का स्मरण कराता है। इस स्वतंत्रता दिवस पर, हम अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने, पर्यावरण की रक्षा करने, डिजिटल और हरित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने तथा भावी पीढ़ियों के लिए एक मजबूत, समृद्ध और सुरक्षित कर्नाटक एवं भारत के निर्माण के लिए काम करने का संकल्प लें।'

राज्यपाल ने भारत की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कृषि, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने इस प्रगति का श्रेय लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक भागीदारी और राष्ट्रीय एकता की मज़बूती को दिया।

उन्होंने संस्कृति, ज्ञान, नवाचार और 'विविधता में एकता' में कर्नाटक के योगदान की सराहना की। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में वैज्ञानिकों, किसानों, शिक्षकों, उद्यमियों, कलाकारों और युवाओं की भूमिका को स्वीकार किया। राज्यपाल ने गृह ज्योति योजना, अन्न भाग्य योजना, शक्ति योजना, गृह लक्ष्मी योजना, गृह आरोग्य, अक्षरा आविचार और युवा निधि योजना जैसी योजनाओं के साथ गरीबी उन्मूलन, महिला सशक्तीकरण, सामाजिक न्याय और आर्थिक विकास के उद्देश्य से अन्य वित्तीय सहायता कार्यक्रमों का भी उल्लेख किया।

राज्यपाल ने कर्नाटक क्वांटम मिशन के बारे में बोलते हुए, अनुसंधान एवं विकास, कौशल निर्माण, बुनियादी ढांचे के विकास और स्टार्टअप को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका पर ज़ोर दिया, जिससे कर्नाटक 'एशिया की क्वांटम राजधानी' बन सकेगा।

उन्होंने राष्ट्रीय गौरव, एकता और देशभक्ति को मज़बूत करने के लिए 'हर घर तिरंगा' अभियान में भागीदारी के लिए भी प्रोत्साहित किया।

राज्यपाल ने युवाओं से ज्ञान, कौशल और नवाचार में आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए भावी पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के वास्ते पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता, स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास की दिशा में सामूहिक भागीदारी का आग्रह किया।

केनरा बैंक ने छात्रवृत्ति पहल के जरिए शिक्षित भारत के निर्माण में योगदान दिया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केनरा बैंक ने बेंगलूरु स्थित अपने प्रधान कार्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। गार्ड ऑफ ऑनर के बाद बैंक के कार्यकारी निदेशकों की मौजूदगी में एमडी एवं सीईओ के सत्यनारायण राजू द्वारा तिरंगे गुब्बारे छोड़े गए। 'केनरा बैंक डॉ. अंबेडकर विद्या ज्योति छात्रवृत्ति' नामक सीएसआर कार्यक्रम के तहत बैंक ने मेधावी एससी/एसटी छात्राओं को उनकी शिक्षा के लिए कुल 1824.68 लाख रुपए की छात्रवृत्ति देकर सहयोग किया।

इस पहल का मकसद देश के युवाओं को सशक्त बनाना तथा वंचित पृष्ठभूमि की मेधावी एससी/एसटी छात्राओं को छात्रवृत्ति देना है, ताकि उन्हें शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल करने में मदद मिले। इस वर्ष, बैंक पूरे भारत में 26 सर्किल कार्यालयों, 177 क्षेत्रीय कार्यालयों और 9,861 से अधिक शाखाओं में छात्रवृत्ति वितरण की सुविधा देगा। इस अवसर पर केनरा बैंक के एमडी एवं सीईओ के सत्यनारायण राजू ने कहा, 'शिक्षा एक प्रगतिशील और समावेशी समाज का आधार है। इस छात्रवृत्ति के साथ, हम न केवल प्रतिभाशाली युवाओं के भविष्य में निवेश कर रहे हैं, बल्कि शिक्षित और विकसित राष्ट्र के निर्माण में भी योगदान दे रहे हैं।'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वतंत्रता दिवस

बेंगलूरु के बागलूर क्रॉस मैन रोड स्थित द्वारिकानगर लेआउट रेसीडेन्टस वेलफेयर एसोसिएशन ने देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष आर. आनंद के नेतृत्व में अनेक सदस्यों और स्थानीय निवासियों की उपस्थिति में मुख्यअतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

रजनीकांत की फिल्म 'कुली' ने रिलीज के पहले दिन 150 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की

नयी दिल्ली/भाषा

मशहूर अभिनेता रजनीकांत की फिल्म कुली ने रिलीज के पहले दिन वैश्विक टिकट खिड़की पर 151 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर तमिल फिल्मों के लिए सबसे बड़ा रिकॉर्ड बना लिया। फिल्म के निर्देशक लोकेश कानागराज हैं। यह फिल्म बृहस्पतिवार को विश्वभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म निर्माताओं ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर टिकट खिड़की के आंकड़े साझा किए। फिल्म के पोस्टर पर लिखा था, किसी तमिल फिल्म की रिलीज के पहले दिन की अब तक की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फिल्म कुली ने 151 करोड़ रुपये की कमाई की हैं। अभिनेता रजनीकांत, रिकॉर्ड बनाने वाले भी हैं और रिकॉर्ड तोड़ने वाले भी हैं।

फिल्म में रजनीकांत मुख्य भूमिका में एक कुली की भूमिका निभा रहे हैं जो अपने पूर्व सहयोगियों का शोषण और उत्पीड़न करने वाले भ्रष्ट सिंडिकेट के खिलाफ खड़ा होता है। फिल्म के अन्य कलाकारों में सौबिन शाहिर, उपेंद्र, श्रुति हासन, सत्यराज, खलनायक की भूमिका में नागार्जुन और बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान विशेष उपस्थिति में नजर आ रहे हैं। कुली रजनीकांत की 171वीं फिल्म है और यह कानागराज के साथ यह उनकी पहली परियोजना है। फिल्म का निर्माण सन पिक्चर्स द्वारा किया गया है और वितरण पेन स्टूडियोज द्वारा किया जा रहा है।

विवेक रंजन अग्निहोत्री का ममता सरकार पर फूटा गुस्सा, बोले 'ये मानने को ही तैयार नहीं कि डायरेक्ट एक्शन डे को कुछ हुआ भी था'

कोलकाता/एजेन्सी

फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को इस फिल्म के ट्रेलर के लॉन्च कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया था और इसके ट्रेलर की स्क्रीनिंग को बीच में रुकवा दिया गया। इसके बाद काफी हंगामा हुआ। फिल्म के डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री की पुलिस से बहस भी हुई। फिल्म मेकर विवेक अग्निहोत्री ने कहा, मैं परसों ही अमेरिका से लौट के आया। हम यहां कोलकाता में ट्रेलर को लॉन्च करना चाहते थे। 16 अगस्त इसलिए चुना क्योंकि ये डायरेक्ट एक्शन डे से जुड़ा है। एक बड़ी सिनेमा चेन के साथ हमारा कार्यक्रम सेट था, लेकिन बाद में उसे कैंसिल कर दिया गया। फिर हमने एक दूसरी सिनेमा चेन से बात की पर उन्होंने भी हाथ खड़े कर दिए। एक फिल्ममेकर के लिए इससे बुरी बात क्या होगी कि उसकी फिल्म को रोका जा रहा है। फिर हमने इसे बैंकवेट हॉल में रिलीज करने का प्लान बनाया। एक फिल्म जो बंगाल के बारे में ही है, उसे क्यों रोका जा रहा है? पता नहीं किस चीज का उन्हें डर है। क्या वो दबाना चाहते हैं, लेकिन मैं ऐसा होने

नहीं दूंगा। कैंसिल करने का क्या कारण रहा इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, देखिए बंगालियों को दिक्कत होती तो वो लोग भर-भर के यहां क्यों आते, वंदे मातरम और जय काली मां के नारे क्यों लगाते। उन्हें फिल्म अच्छी लगी, बंगाल वर्ल्ड की कल्चरल कैपिटल थी, ये बात मैंने फिल्म में दिखाई है। यह बात देश का बच्चा-बच्चा अब जान जाएगा। लेकिन जब मैंने ये फिल्म अनाउंस की थी, तभी आपकी मुख्यमंत्री ने ये कहना शुरू कर दिया कि द बंगाल फाइल्स कोई फिल्म बन रही है ये प्रोपेगैंडा फिल्म है। उन्हें हम यहां नहीं आने देंगे। मुझे तमाम धमकियां मिली। उसके बाद मैंने उन्हें एक लीगल नोटिस भी सेंड किया था कि आप ऐसा कैसे बोल सकती हैं। बंगाल की समस्याओं के बारे में ये फिल्म है। जो चोर लोग हैं, जिनके दिल में चोर है वो ही इसे रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

विवेक ने सवाल उठाया कि यहां पश्चिम बंगाल में सुहरावर्दी स्ट्रीट क्यों है, जिसे बुचर ऑफ बंगाल कहा जाता है। डायरेक्ट एक्शन डे पर उन्होंने अपील की कि इस स्ट्रीट का नाम बदलकर गोपाल मुखर्जी एवेन्यू रखा जाए। उन्होंने कहा, आज बंगाल की जो सरकार है, ये मानने को ही तैयार नहीं है कि डायरेक्ट एक्शन डे के दिन कुछ हुआ था। एक कम्युनिटी को खुश करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। ये खतरनाक राजनीति है जिसका आज नहीं तो कल बंगाल को हर्जाना भुगतना ही पड़ेगा। मुझे नहीं लगता इससे ज्यादा बोल्ड फिल्म पहले कभी इंडिया में बनी है। विवेक रंजन अग्निहोत्री ने 'द बंगाल फाइल्स' को लिखा और डायरेक्ट किया है। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार नजर आएंगे। यह फिल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राष्ट्र निर्माण यात्रा का हिस्सा बनने पर रेपका को गर्व है : महाप्रबंधक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रेल पहिया कारखाने (रेपका) में 79वां स्वतंत्रता दिवस बहुत उत्साह के साथ मनाया गया। महाप्रबंधक चंद्रवीर रमण ने तिरंगा फहराया और समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह दिन न केवल हमारे गौरवशाली अतीत को याद करने का अवसर है, बल्कि एक मजबूत और अधिक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की पुष्टि करने का भी अवसर भी है। उन्होंने कहा कि रेपका (आरडब्ल्यूएफ) को राष्ट्र निर्माण यात्रा का हिस्सा बनने और नवाचार एवं दक्षता के माध्यम से योगदान देने पर गर्व है। आरडब्ल्यूएफ ने जुलाई में असाधारण प्रदर्शन किया, जिसमें 22,083 पहियों की ढलाई, 15,270 एक्सलों की फोर्जिंग और 11,342 एक्सलों की मशीनिंग करके पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। 11 अगस्त को एक ही दिन में रिकॉर्ड 534 व्हीलसेट भेजे गए। 31 जुलाई तक 14.51 करोड़ रुपए का स्क्रैप बेचा गया, जो रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित आनुपातिक लक्ष्य से 40 प्रतिशत ज्यादा है। उन्होंने बताया कि कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जिनमें कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त पार्किंग सुविधाएं, पहियों और एक्सलों के लिए विस्तारित भंडारण क्षेत्र तथा व्हीलसेट लोडिंग बे में नया वेल्डिंग शेड शामिल है। आरडब्ल्यूएफ ने एक स्वचालित पावर फैक्टर कंट्रोलर की शुरुआत की है।

सबस्टेशन को भी उन्नत किया है। समय पर भर्ती, प्रशिक्षण कार्यक्रम और पदोन्नति ने कर्मचारियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है।

केंद्रीय हिंदी संस्थान के मैसूरु केंद्र में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के मैसूरु केंद्र में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रणजीत भारती ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद महात्मा गांधी एवं डॉ. अंबेडकर के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भारती ने सबको शुभकामनाएं दी। उन्होंने देश के शहीदों को नमन किया। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज के महत्त्व पर चर्चा की और उसके तीनों रंगों को आत्मसात करने के लिए आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केसरिया हमें त्याग, साहस और बलिदान की प्रेरणा देता है। वहीं, सफेद रंग शांति, शुद्धता और सत्य का संदेश देता है। हरा रंग हमें धरती की उर्वरता एवं समृद्धि को बढ़ाने की

प्रेरणा देता है। नीले रंग का चक्र हमें सदैव उन्नति करने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य हमारे अंदर देशप्रेम की भावना जगाए रखने के लिए, वीर शहीदों का स्मरण कराना है। क्षेत्रीय निदेशक ने केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के उपाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र दुबे, निदेशक प्रो. सुनील बाबूराव कुलकर्णी, केंद्र के शैक्षिक सदस्य डॉ. योगेंद्र मिश्र, प्रशासनिक कर्मी राघवेंद्र, पद्मा, चेन्नेगोड़ा, रियाना एवं सुरक्षाकर्मी ननजुंड स्वामी को धन्यवाद दिया।

सिंपल कपाड़िया ने राजेश खन्ना के साथ किया था पर्दे पर डेब्यू, उस दौरान हो गई थीं असहज

मुंबई/एजेन्सी

सिंपल कपाड़िया हिंदी फिल्मों की एक अभिनेत्री हैं, जिनके बारे में कम लोग जानते हैं। उन्हें उनके नाम से कम लेकिन डिंपल कपाड़िया की बहन के रूप में अधिक जाना गया, जबकि उनकी फिल्मी दुनिया में अपनी एक अलग पहचान थी। 15 अगस्त 1958 को जन्मी सिंपल कपाड़िया न सिर्फ एक बहुत बेहतरीन अभिनेत्री थीं, बल्कि कमाल की कॉस्ट्यूम डिजाइनर भी थीं। उन्होंने फिल्म 'रुदाली' के लिए बेस्ट कॉस्ट्यूम डिजाइनर का नेशनल अवॉर्ड भी जीता था। फिल्मों की बात करें तो उन्होंने 'अनुरोध', 'जमाने को दिखाना है', 'शक', 'चक्रव्यूह', 'लूटमार' जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी डेब्यू फिल्म सुपरस्टार राजेश खन्ना के साथ थी। ये फिल्म नहीं चली, जैसी डिंपल कपाड़िया की डेब्यू मूवी बॉबी चली थी, जबकि पहली फिल्म में उन्हें राजेश खन्ना जैसे स्टार का साथ मिला जो उनके जीजा भी थे। अपनी डेब्यू फिल्म 'अनुरोध' के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा था कि उस दौरान वो राजेश खन्ना के साथ फिल्म में काम करते समय सहज नहीं थीं।

एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में कहा था, यह बिल्कुल भी 'बॉबी' जैसी फिल्म नहीं थी और उसकी तुलना भी नहीं हो सकती। जैसे मैं कभी डिंपल नहीं बन सकती। असल में राजेश खन्ना के साथ काम करते हुए मैं काफी असहज हो जाती थी क्योंकि जब आप किसी को निजी

तौर पर बहुत अच्छी तरह जानते हैं, तो कैमरे के सामने उनका अलग रूप देखना अजीब लगता है। इस फिल्म से जुड़े अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए तब सिंपल ने कहा था, शूटिंग शुरू करने से पहले मैंने सोचा था कि किसी अपने के साथ होना मेरे लिए बड़ा मोरल सपोर्ट होगा। लेकिन, असल में मैं काफी नर्वस थी, शायद इसलिए कि मैं एक बहुत अनुभवी अभिनेता के सामने एक्टिंग कर रही थी। काका (राजेश खन्ना) बहुत मददगार थे, लेकिन मुझे लगता था कि अगर मैं गलती कर दूं तो वह भी मुझे सीन के बारे में सीधा बोलने में सहज महसूस नहीं करते थे।

'अनुरोध' के न चलने के पीछे की एक बड़ी वजह थी दोनों स्टार्स के बीच पर्दे पर केमिस्ट्री की कमी। हालांकि, अपने डेब्यू में ही इतने बड़े स्टार के साथ स्क्रीन शेयर करने के बावजूद सिंपल की यह फिल्म हिट नहीं हुई, जिससे उनके करियर को झटका लगा। लेकिन उन्होंने इस अनुभव को सीखने और प्रेरणा पाने का मौका माना। सिंपल कपाड़िया अपने करियर में बहन डिंपल की तरह बड़ी सफलता तो हासिल नहीं कर पाईं, लेकिन वो एक कमाल की कॉस्ट्यूम डिजाइनर थीं। उन्होंने कई फिल्मों में बाद के दिनों में बतौर कॉस्ट्यूम डिजाइनर काम किया था। इसके लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित भी किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | रविवार | 17-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

भारत के 79 वें स्वाधीनता दिवस की संध्या को 'भारत की स्वाधीनता और सनातन धर्म' विषय पर आयोजित दर्पण फाउंडेशन का उपनिषद गुरुजी नंदकिशोर और डॉ परीक्षित सिंह के मध्य संपन्न हुआ।संवाद का संचालन प्रोफ़ेसर मकरंद परांजपे ने किया।

बेंगलूरु की विभिन्न सामाजिक, धार्मिक व शैक्षणिक संस्थाओं ने उल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

भारत वर्ष का 79वां स्वतंत्रता दिवस पूरे देश में हर्षोल्लास व उत्साह के वातावरण में मनाया गया। बेंगलूरु में भी विभिन्न सामाजिक, धार्मिक व शैक्षणिक संस्थाओं ने अपने अपने स्तर पर स्वतंत्रता दिवस मनाया, किसी ने ध्वजारोहण किया तो किसी ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तो किसी ने आश्रम में मनाया स्वतंत्रता दिवस तो किसी ने बच्चों व जरूरतमंदों को बांटी पाठ्य सामग्री व अन्य सहयोग सामग्री। शहर व आसपास की विभिन्न संस्थाओं द्वारा किए गए विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी :

पार्श्व संस्कार वाटिका राजाजीनगर

पार्श्व संस्कार वाटिका राजाजीनगर के बच्चों ने स्वतंत्रता सेनानियों की वेशभूषा धरकर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देश भक्ति के गीत गाए तथा देश की आजादी का पर्व मनाया।

खागा

कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट एसोसिएशन(खागा) ने स्वतंत्रता दिवस के पर्व पर मामुलपेट स्थित सरकारी स्कूल के पास ध्वजारोहण कर ध्वज को सलामी दी। अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के पश्चात खागा द्वारा अन्नदान का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सचिव कैलाश बालर, उपाध्यक्ष नरपतसिंह राजपुरोहित, सह सचिव बिशनसिंह विराणा, जोगसिंह पुरोहित, कोषाध्यक्ष जोगेश जैन, पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, नेमीचंद जैन, गौतमचंद पोरवाल आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

आदर्श ग्राम विकास समिति

बेंगलूरु की आदर्श ग्राम विकास समिति(डाबरी) ने बनशंकरी स्थित इट्टेमिडू सरकारी स्कूल में 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जिसमें मुख्य अतिथि सोहन लाल झाबक, मंत्री सुनील मित्तल, संदीप भंडारी, चन्द्रशेखर शर्मा आदि शामिल हुए। स्कूल में जरूरत के अनुसार सहयोग सामग्री प्रदान की।

दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी

बेंगलूरु के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में संतश्री मलयप्रभ सागर व साध्वीश्री हर्षपूर्णाश्रीजी के सान्निध्य में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। बच्चों ने महापुरुषों का वेश धारण किया तथा देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किए। संत श्री ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जैन समाज के अनेक सेनानियों के सहयोग पर प्रकाश डाला । इस अवसर पर ज्ञान वाटिका के बच्चों ने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में नृत्य नाटिका और गीत भी प्रस्तुत किए।

केन्टोमेन्ट जैन समाज

बेंगलूरु के केन्टोन्मेन्ट जैन समाज के सदस्यों ने हीराबाग में 79वां स्वतंत्रता दिवस पर्व मनाया। इंदरचंद बोहरा ने स्वागत किया और डॉ. भीकमचंद ने इस दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। रमेश बोहरा, अशोक बांठिया ने कहा कि यह महोत्सव भारत के उन लोगों को समर्पित है जिन्होंने न केवल भारत को उसकी विकास यात्रा में यहाँ तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

माध्यम गौशाला

बेंगलूरु के सरजापुर रोड स्थित माध्यम गौ शाला मे 79 वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने झंडारोहण कर मां भारती के लिए शहादत देने वाले वीर सपूतों को याद किया। इस अवसर पर गौमाता पूजन कर प्रसाद खिलाया गया। इस अवसर पर सुनील शर्मा, जे. बाबूलाल, महेंद्र शर्मा, राजेश शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

राजपूताना भारतीय राजपूताना सेवा संगठन

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर भारतीय राजपूताना सेवा संगठन द्वारा व्हाइटफील्ड में वरिष्ठ सदस्य शालिग्राम सिंह और राष्ट्रीय मातृशक्ति की अध्यक्ष ममता सिंह ने ध्वज फहराया। इस मौके पर बेंगलूरु के अध्यक्ष सुनील सिंह, व्हाइटफील्ड के उपाध्यक्ष अजीत सिंह, व्हाइटफील्ड मातृशक्ति की अध्यक्ष रोहिणी सिंह, आयोजन के सचिव संजय सिंह और उनकी पूरी टीम ने व्यवस्था संभाली। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार ने देश की आजादी के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा, मेहनत और लगन से हासिल की गई चीजों की कीमत हमें समझनी चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने देशहित और संगठनहित में अपने विचार साझा किए। इस मौके पर देशभक्ति गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई।

मातृछाया

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मातृछाया जैन महिला संगठन ने पीन्या स्थित नेत्रहीन विद्यालय ब्लेस्स सोसाइटी ऑफ रूरल एंड अर्बन डेवलपमेंट में ध्वजारोहण एवं सेवा कार्य आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः ध्वजारोहण के साथ हुआ। संगठन की अध्यक्ष ललिता नागोरी ने स्वागत करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें अपने देश के बलिदानों की याद दिलाता है। सचिव रेशमा बड़ोला व मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि संगठन ने दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म, नोटबुक, स्टेशनरी सामग्री एवं मिठाइयाँ वितरित की। साथ ही समाज के लोगों को अच्छी स्थिति में अनुपयोगी कपड़े, बेडशीट्स, फुटवियर और शैक्षणिक सामग्री दान करने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर कोषाध्यक्ष पुष्पा बाफना, कांता समदड़िया, बबिता श्रीश्रीमाल, पुष्पा सोनीगरा, मीना सोनीगरा, लीला भंसाली, रीटा जैन, त्रिशला दांतेवाड़िया सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित थी।लीला भंसाली, रीटा जैन, त्रिशला दांतेवाड़िया सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित थी।

वनबंधु परिषद महिला समिति

स्थानीय वनबंधु परिषद महिला समिति की पूर्व अध्यक्ष बबीता अग्रवाल, अध्यक्ष कांता काबरा, सचिव अनीता जैन, वनयात्रा प्रभारी नीरू तयाल सहित सात सदस्याओं ने चामराजनगर में वनयात्रा की। चामराजनगर ग्रामीण विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह से मनाया गया। सभी बच्चों को तिरंगे के बैज लगाकर हाथों पर तिरंगे के रंग लगाए गए। स्कूल के बच्चों को तिरंगा झंडा, बैज, चॉकलेट और फल दिए गए, आचार्यों और उपस्थित मेहमानों को सम्मान स्वरूप साड़ी, उपहार और मिठाई दी गई।

कर्नाटक पेपर एंड स्टेशनरी संगठन

बेंगलूरु के कर्नाटक पेपर एंड स्टेशनरी संगठन द्वारा कार्यालय कागज भवन के समक्ष 79वां स्वतंत्रता दिवस हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। अध्यक्ष प्रवीण लुंकड़ ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व और हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को स्मरण किया। पूर्व अध्यक्ष अशोक गुप्ता एवं सरवण ने एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने साथ ध्वजारोहण किया। इस मौके पर एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष विनोद नैनावद, उपाध्यक्ष प्रदीप लुणावत, मंत्री शिवराम ईवाऊ, संयुक्त सचिव हुलाश कुमार, कोषाध्यक्ष रमेश कुमार सालेचा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

आदर्श स्कूल

आदर्श विद्या संघ द्वारा संचालित मनवरथपेट स्थित आदर्श स्कूल में स्वतंत्रता दिवस का समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व पार्षद शिवकुमार, स्कूल के दानदाता प्रकाश खांटेड, उपाध्यक्ष संजय धारीवाल व भेरूमल भंडारी, संयुक्त सचिव अरविंद दोशी व महेश नाहर, संयोजक अशोक भंसाली व प्राचार्या डॉ. प्रज्ञा यादव ने झंडारोहण किया। इस अवसर पर बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी, जिसमें नृत्य, गायन और नाटक शामिल थे। समारोह के अंत में मिठाइयों का वितरण किया गया।

काकस्टा

कर्नाटक एग्रीकल्चर वाटर पम्प एंड स्पेयर्स ट्रेडर्स एसोसिएशन (काक्स्टा) द्वारा 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में एसपी रोड स्थित कार्यालय के प्रांगण में अध्यक्ष सुनील सुराणा, सचिव संजय भीमानी, उपाध्यक्ष रसिक पटेल और सह-सचिव डेविस ने ध्वजारोहण किया। संघ के अध्यक्ष सुनील सुराणा ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दी और स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देने का संकल्प दिलवाया।

जोगुपाल्या

बेंगलूरु के जोगुपाल्या मित्र मंडल ने शुक्रवार को ध्वजारोहण कर 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। अलसूर स्थित दसवीं स्ट्रीट के चौराहे पर मंडल ने बच्चों से ध्वजारोहण कराया और मिठाई वितरित की। इस अवसर पर महावीर छाजेड़, जिनेन्द्र बांठिया, देवराज सेठिया, सूरी राजपुरोहित, अंकुश छाजेड़, केयाँश बांठिया, शिवा आदि उपस्थित थे।

आदर्श कालेज

बेंगलूरु के चामराजपेट स्थित सीतादेवी रतनचंद नाहर आदर्श कॉलेज में 79वें स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आदर्श ग्रुप समूह के उपाध्यक्ष संजय धारीवाल, संयुक्त सचिव महेश नाहर व कॉलेज के प्राचार्य डॉ एस प्रशांत उपस्थित थे। कार्यक्रम में ध्वजारोहण के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न राज्यों के परिधानों के साथ विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एकता को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न खेल क्षेत्रों में उत्कृष्ट विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र व पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ मल्लिकार्जुन ने किया।

ग्रीन काउंटी

बेंगलूरु के लक्ष्मीपुरा विलेज क्रॉस स्थित ग्रीन काउंटी लेआउट एवं अरोड़ा आइरिस अपार्टमेट एसोसिएशन के निवासियों ने अपार्टमेन्ट में स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर झंडोतोलन किया। इस मौके पर ग्लोबल हॉस्पिटल के निदेशक डॉक्टर प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। बच्चों व महिलाओं ने देशभक्ति गीत, नृत्य और नाटक की प्रस्तुति दी।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

दर्पण फाउंडेशन का पचासवां उपनिषद संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत के 79 वें स्वाधीनता दिवस की संध्या को 'भारत की स्वाधीनता और सनातन धर्म' विषय पर आयोजित दर्पण फाउंडेशन का उपनिषद गुरुजी नंदकिशोर और डॉ परीक्षित सिंह के मध्य संपन्न हुआ।संवाद का संचालन प्रोफ़ेसर मकरंद परांजपे ने किया। गुरुजी ने स्वातंत्र्य को धर्म से जोड़ते हुए कहा कि गांधी, तिलक, अरबिंदो इत्यादि सभी ने धर्म और अध्यात्म से प्रेरणा लेकर स्वतंत्रता के मूल्यों को परिभाषित किया और उन्हें जन चेतना से जोड़ा। उन्होंने कहा, आज भी देश को आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और सामरिक स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए हमें आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता है अन्यथा अव्वल तो हम समृद्ध हो नहीं पाएंगे और हो भी गए तो समृद्धि की रक्षा नहीं कर पाएंगे ।चिकित्सा की पश्चिमी दृष्टि पर बोलते हुए डॉ सिंह ने कहा कि वह बीमारी पर केंद्रित हैं, स्वास्थ्य पर नहीं और यह उचित दृष्टि नहीं हो सकती है। गुरुजी ने शिक्षा को मूल्यवान बनाने

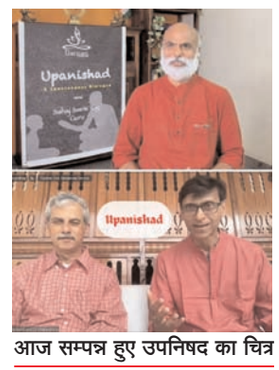

आज सम्पन्न हुए उपनिषद का चित्र

के लिए उसके प्राथमिक रूप से मोलभाव पर नहीं बल्कि मूल भाव पर केंद्रित रखने को ही विश्व की सुख शांति का निदान बताया। उन्होंने परा और अपरा विद्याओं के भेद को स्पष्ट करने के शिक्षा शास्त्रियों के कर्तव्य और उत्तरदायित्व की ओर संकेत किया जिस पर डा सिंह और प्रोफ़ेसर परांजपे ने पूर्ण सहमति जताई ।भविष्य और भारत का भविष्य तथा विश्व और भारत का उसमें स्थान इत्यादि विषय चर्चा में अनायास आए। अंततः गूढ़ गहन मंथन के उपरांत श्रोताओं के प्रश्नों के उत्तरों के साथ उपनिषद का समापन हुआ।

स्वास्तिक सेवा ट्रस्ट

स्थानीय स्वास्तिक सेवा ट्रस्ट द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर क्लासिपाल्यम स्थित बिनोबानगर में 500 जरूरतमंद लोगों को वस्त्र वितरण किया। इस अवसर पर फाउंडेशन के चेयरमैन सतीश मित्तल, उपचेयरमैन श्याम बंसल, अध्यक्ष बिमलकुमार सरावगी, नरेश जैन, नरेश अग्रवाल, अशोक गर्ग, सोमसुंदर बालन, अजय खेमका, गौरव जिंदल, गजेन्द्र अग्रवाल, पवन बंसल सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

बन्नूर डाकघर

मैसूरु जिले के बन्नूर स्थित डाक घर में 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। मुख्य अथिति महेंद्र सिंह राजपुरोहित व डाक घर के अधिकारियों ने झंडारोहण किया। इस मौके पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। डाक विभाग की ओर से राजपुरोहित का सम्मान किया गया।

मारकिस सिद्ध शिखा मारकिस अपार्टमेंट

आजादी के 79वें वर्ष में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बसवनगुड़ी स्थित मारकिस (सिद्ध शिखा)अपार्टमेन्ट में देशभक्ति समारोह का आयोजन किया गया। सबसे पहले अपार्टमेन्ट में ध्वजारोहण किया गया तथा बच्चों व युवतियों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए।

सुमतिनाथ जैन संघ

शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन संघ में साध्वी मयूरयशाश्रीजी की निश्रा में स्वतंत्रता दिवस के प्रसंग पर तिरंगा झंडा फहराया गया। साध्वी श्री ने धर्म, शासन और देश के प्रति वफादारी रहने की बात करते हुए धर्म और देश रक्षा के लिए दिए गए बलिदानों को याद किया।

जीतो मैसूरु

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जीतो मैसूर परिवार ने देवराज गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में जीतो मैसूर के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल एवं पूर्व चेयरमैन कांतिलाल जैन ने ध्वजारोहण किया। सदस्यों ने बच्चों को आवश्यक शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष भेरूलाल पितलिया, मुख्य सचिव गौतम सालेशा, सचिव रमेश नवलखा, संयुक्त कोषाध्यक्ष गौतम बागमार, पीआरओ मुकेश मेहता, मनोज लोधा, मनीष शाह, प्रकाश गांधी, उमेश कोठारी, जीतो यूथ चेयरमैन सिद्धार्थ कटारिया, मुख्य सचिव पुनीत जुगराज,अपेक्स संयोजक पिन्टू श्रीश्रीमाल, दिक्षित सालेचा, अक्षय वाणीगोता आदि उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com